राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार, 26 दिसंबर–2021 वर्ष–4,अंक–333 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

34 फर्जी कंपनियां बनाने के आरोप में

9.10 करोड़ आईटीसी कर्जदार गिरफ्तार,

नोवा कॉम्प्लेक्स पांडेसरा में अप्सा एंटरप्राइज में छापेमारी

क्रांति समय,सूरत

सूरत के डीजीजीआई (माल और सेवा कर खुफिया महानिदेशालय) विंग ने पांडेसरा हाउसिंग बोर्ड के नोवा कॉम्प्लेक्स में अप्सा एंटरप्राइज पर छापेमारी में गिरफ्तार किया था। पारसमल आंचलिया ने 34 फर्जी कंपनियां बनाईं और 9.10 करोड़ रुपये के आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) का इस्तेमाल किया।

डीजीजीआई सूरत जोन यूनिट को सूचित किया गया कि इनपुट टैक्स क्रेडिट का दुरुपयोग किया जा रहा है। जिसके आधार पर पांडेसरा हाउसिंग बोर्ड ने डी–202 में पीयूष पॉइंट, नोवा कॉम्प्लेक्स में अप्सा एंटरप्राइज पर छापा मारा और करोड़ों इनपुट टैक्स क्रेडिट को अन्य पीढ़ियों को हस्तांतरित करने के घोटाले में तेजी लाई। डीजीजीआई सूत्रों के अनुसार अप्सा इंटरप्राइजेज में डीजीजीआई द्वारा की गई कार्यवाही में 34 फर्जी जनरेशन दस्तावेज पाए गए।

इन कंपनियों का प्रबंधन करने वाले पारसमल बालचंद अंचलिया ने फर्जी चालान बनाए और 9.10 करोड़ रुपये के आईटीसी को हड़प लिया, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ। अंचलिया ने अन्य

कंपनियों को 9.10 करोड़ रुपये का इनपुट टैक्स क्रेडिट दिया। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर डीजीजीआई ने आरोपी पारसमल आंचलिया को गिरफ्तार कर सूरत के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में पेश किया, अदालत ने रिमांड मांगा और आंचलिया को जेल हिरासत में भेज दिया. डीजीजीआई जांच के दौरान आरोपी आंचलिया ने कबूल किया कि 9.10 करोड़ रुपये में से कुछ आईटीसी दूसरे जेनरेशन मैनेजरों द्वारा चलाए जा रहे थे। जैन ने आमिर हलानी को भी दिया।

आईटीसी प्राप्तकर्ताओं से भी पूछताछ की जाएगी । डीजीजीआई द्वारा गलत तरीके से पारित आईटीसी प्राप्त करने वाले लाभार्थियों को भी पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा।

जांच के बाद अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।अंचलिया की फर्मों में डीजीजीआई द्वारा छापे मारे गए थे, लेकिन साथ ही पांडेसरा के महाप्रभुनगर–2 में भी फर्मों की जांच की गई थी, सूत्रों ने कहा। इस जांच से भी जल्द ही कोई बड़ा खुलासा होने की संभावना है। अन्य को जल्द ही गिरफ्तार किए जाने की उम्मीद है।

सूरत की लाजपुर जेल में बंदियों के लिए खेलों का आयोजन कर खेल के क्षेत्र में जागरूकता पैदा करने का लक्ष्य.

क्रांति समय,सूरत

सूरत में लाजपुर सेंट्रल जेल ओलंपिक–२०२१ खेलों का आयोजन जेल मे किया गया है। इसका उद्देश्य जेल के पुरुष और महिला कैदियों के बीच खेल के क्षेत्र में जागरूकता पैदा करना है। इतना ही नहीं, कैदियों के बीच खेल भावना और भाईचारे की भावना पैदा करने और कैदियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सकारात्मक और स्वस्थ रखने के नेक इरादे से आज से जेल में ओलंपिक खेलों की शुरुआत की गई।

मनोज निनामा (आईपीएस) ने कहा कि कैदियों में खेल भावना और भाईचारे की भावना पैदा करने के लिए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डॉ. केएलएन राव (आईपीएस) जेल और सुधार विवट, गुजरात राज्य, अहमदाबाद के मार्गदर्शन में सूरत के पुरुष और महिला कैदियों के बीच खेल के क्षेत्र में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से लाजपुर सेंट्रल जेल का आयोजन किया गया है। इतना ही नहीं, बंदियों के बीच खेल भावना और भाईचारे की भावना बनाए रखने और कैदियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सकारात्मक और स्वस्थ रखने के नेक इरादे से दो दिवसीय खेल उत्सव का आयोजन किया गया है। आज से जेल में ओलिंपिक–2021 की शुरुआत हो चुकी है। जेल ओलंपिक–21 में लगभग 800 कैदी एथलीटों ने भाग लिया। 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, रस्साकशी, वॉलीबॉल, कैरम, शतरंज, नींबू–चम्मच, बोरी दौड़ और अन्य मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इन विभिन्न आयोजनों में लगभग 800 कैदी खिलाड़ियों ने भाग लिया है।

हाईवे पर खड़े ट्रक से टकराया दूसरा ट्रक, कैबिन में बैठे क्लीनर का सिर हुआ धड़ से अलग

क्रांति समय,सूरत

वडोदार,शहर के निकट नेशनल हाईवे पर खड़े ट्रक से दूसरा ट्रक टकरा गया। इस घटना में पहले खड़े ट्रक में बैठे क्लीनर का सिर धड़ से अलग हो गया और उसकी मौत पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद क्लीनर शव ट्रक के कैबिन से निकालकर पुलिस के हवाले किया। जानकारी के मुताबिक सूरत के सचिन जीआईडीसी स्थित अनुपमा कंपनी से नूर महमद कुरैशी और फरहान माल लादकर बिहार की ओर रवाना हुए थे। वडोदरा के निकट नेशनल हाईवे पर देणा सर्कल पर ट्रक के बिगड़ने पर ट्रक को सड़क के किनारे खड़ा दिया। उस दौरान वहां से गुजर हरियाणा के एक ट्रक ने नूर महमद कुरैशी के ट्रक से टकरा गया। इस हादसे में हरियाणा के ट्रक के अगले हिस्से परखच्चे उड़ गए और उसके कैबिन में बैठे क्लीनर का सिर धड़ से अलग हो गया। दुर्घटना की खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड समेत पुलिस का काफिला मौके पर पहुंच गया। फायर टीम ने बड़ी मुश्किल से ट्रक के कैबिन में फंसे क्लीनर का शव बाहर निकाला और पुलिस को सौंप दिया। हादसे के बाद ट्रक का चालक घटनास्थल से फरार हो गया। घटना में मारा ट्रक का क्लीनर 50 वर्षीय प्रतापसिंह मोहनसिंह घराडी और उत्तराखंड के कुड पौधर गांव का निवासी होने का पता चला है। पुलिस ने बिहार जा रहे ट्रक के ड्राइवर नूर महमद की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

पश्चिमी विक्षोभ के चलते गुजरात में फिर होगी बेमौसमी बारिश

मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के चलते गुजरात में फिर एक बार बेमौसमी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक 28 दिसंबर को उत्तर गुजरात में बेमौसमी बारिश हो सकती है। बनासकांठा, पालनपुर, थरा, डीसा में मावठ की संभावना व्यक्त की गई है। 27 दिसंबर को राज्य में आसमान बादलों से घिरा रहेगा और 28 दिसंबर को सामान्य बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक बरसाती सिस्टम के हटते ही राज्य में फिर एक बार ठंड कहर ढाएगी। नए साल में कड़ाके की ठंड का अहसास होगा। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 4-5 दिन के दौरान गुजरात रिजन में तापमान सामान्य रहेगा, परंतु 2 दिन अर्थात 25 और 26 दिसंबर को मौसम साफ रहेगा और 27 दिसंबर को मौसम में थोड़ा बदलाव होगा। 28 दिसंबर को राज्य में खासकर उत्तर गुजरात में मावठ की संभावना है। 28 दिसंबर के बाद सौराष्ट्र में मौजूदा तापमान से 3 से 4 डिग्री की गिरावट आएगी। 29 दिसंबर को गुजरातभर में न्यूनतम तापमान घट सकता है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण गुजरात में बारिश होने की संभावना है, जिसे देखते हुए संभावित क्षेत्र के किसानों को 27 और 28 दिसंबर को अग्रीम आयोजन करने की अपील की गई है।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

मासिक वेतन पूरनमासी का चाँद है जो एक दिन दिखाई देता है और घटते घटते लुप्त हो जाता है। - प्रेमचंद

संपादकीय

चुनाव पर सवाल

ओमीक्रोन की छाया सामान्य जनजीवन और चुनावों पर पड़ने लगी है। उत्तर प्रदेश में रात्रिकालीन कर्फ्यू की वापसी हो गई है और अब आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी संशय की स्थिति बन गई है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग से आगामी विधानसभा चुनावों को स्थगित करने, चुनावी रैलियों और सभाओं को रोकने का आग्रह किया है। इसके बाद देश के मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्र ने कहा है कि चुनाव के संबंध में अंतिम निर्णय अगले सप्ताह लिया जाएगा। दिसंबर बीतने को है और अगर फरवरी में चुनाव होने हैं, तो तिथियों की घोषणा दस दिन के अंदर ही हो जानी चाहिए। पिछले विधानसभा चुनाव 2017 की घोषणा जनवरी के पहले सप्ताह में हुई थी और उत्तर प्रदेश में मतदान का पहला दौर 11 फरवरी को संपन्न हुआ था। तब सात चरणों में मतदान के बाद 11 मार्च को मतगणना हुई थी। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव होने हैं। उत्तर प्रदेश में अगर चुनाव को कुछ समय के लिए टालने का फैसला होता है, तो स्वाभाविक ही बाकी चार राज्यों में भी चुनाव की तिथियां आगे सरकेंगी। चुनाव आयोग की अपने स्तर पर पूरी तैयारी है, लेकिन आयोग अगले सप्ताह विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में स्थितियों का जायजा लेना चाहता है। जमीनी हकीकत को देखते हुए ही चुनाव के बारे में कोई फैसला लेना चाहिए। एक महीने पहले तक ओमीक्रोन जैसा कोई तनाव नहीं था, लेकिन अब जिस तरह से चिंता जताई जा रही है, उस पर गौर करना ही चाहिए। अदालत ने भी आग्रह किया है, लेकिन इसके बावजूद अगर चुनाव कराए जाते हैं, तो यह पूरी तरह से चुनाव आयोग और सरकार की जिम्मेदारी पर होंगे। क्या उत्तर प्रदेश में लोग कोरोना संबंधी दिशा-निर्देशों की पालना पूरी तरह से कर रहे हैं? क्या प्रशासन सुरक्षित चुनाव कराने की स्थिति में है? क्या राजनीतिक दलों का काम बिना बड़ी सभाओं के चल जाएगा? क्या सभी राजनीतिक दल सख्ती से सुरक्षा निर्देशों की पालना करेंगे? इन सवालों के जवाब चुनाव आयोग को सोच लेने चाहिए। केंद्र सरकार भी फैसला चुनाव आयोग पर छोड़ने के पक्ष में दिखती है। क्या चुनाव आयोग अदालत के आग्रह के विरुद्ध जाएगा? गौरतलब है कि दिल्ली में हर वयस्क को वैक्सीन की पहली खुराक दे दी गई है, जबकि उत्तर प्रदेश अभी पीछे है। वैसे ओमीक्रोन दोनों टीका लेने वालों की सुरक्षा में भी सेंध लगा दे रहा है। भारतीय और विदेशी विशेषज्ञों का अनुमान है, भारत में फरवरी में संक्रमण बढ़ सकता है। भारत में ओमीक्रोन के रोगियों की संख्या 350 से अधिक हो गई है, खतरा यह है कि यह डेल्टा से भी कई गुना ज्यादा तेजी से फैलता है। ऐसे में, अदालत ने बिल्कुल सही कहा है, 'यदि संभव हो, तो चुनाव स्थगित करने पर विचार करें, क्योंकि अगर हम जिंदा रहे, तो रैलियां और बैठकें बाद में भी हो सकती हैं।' अब फैसला चुनाव आयोग को लेना है, उसे चिकित्सा विशेषज्ञों से परामर्श के बाद ही कदम आगे बढ़ाना चाहिए। बड़ी सभाओं से तो हर हाल में परहेज करना होगा। जब रेल यातायात पूरी तरह से नहीं खुला है, जब स्कूल पूरी तरह से नहीं खुल पा रहे हैं, तब आम जनजीवन को पूरी तरह से कैसे खुलने दिया जाए? जनहानि और जन-परेशानी को रोकना प्राथमिकता होनी चाहिए।

आज के कार्टून

बेकारी

रीराम शर्मा आचार्य

कहावत है-'खाली दिमाग शैतान की दुकान।' यह उन सबके लिए है जो परिश्रम से जी चुराते हैं। पहले देश में राजा-रईस, अमीर-उमराव, जमींदार-साहुकार-महंत-मठाधीश बहुत थे। उनके पास आमदनी बहुत थी और नौकर-चाकरों के बलबूते पर उनका व्यापार चलता रहता था। काम का कोई उत्तरदायित्व सिर पर न होने से उनके पास समय बहुत बचता था। बचे समय का उपयोग आम तौर से खुराफात में होता था। बेकारी की समस्या इसीलिए खतरनाक नहीं मानी जाती कि उन दिनों आदमी कमाता नहीं वरन् मुख्यतया इसलिए उसे भयंकर मानते हैं कि बेकार आदमी को उत्पात ही सूझेंगे। बुराई का आज चारों ओर बाहुल्य है। बेकार आदमी सहज ही उस ओर आकर्षित होते हैं। कार्यव्यस्त व्यक्ति फुरसत न मिलने के कारण बुराइयों से बचा रहता है। बेकारी का कारण सदा काम का अभाव नहीं है। नौकरी के लिए दर-दर ठोकरें खाते फिरने वालों में से अधिकांश वे होते हैं, जो ऊंची आमदनी की, आरामतलब की, बिना मेहनत की नौकरी चाहते हैं, मेहनत-मजदूरी से जिन्हें अपनी और इज्जत घटती मालूम होती है। उनके लिए बाबूगीरी की नौकरियां मिलना मुश्किल हो सकती हैं, पर परिश्रम करने वाले के लिए काम की कमी नहीं है। ज्यादा पैसे का नहीं, बड़ा न सही, परंतु हर आदमी को हर जगह काम मिल सकता है और बहुत न सही, पर थोड़ा-सा तो वह कमा ही सकता है। थोड़ी भी कमाई न हो तो समय की बेकारी तो किसी काम में लगे रहने से बच ही जाती है। खुराफात में मन दौड़ाने का अवसर नहीं मिलता, यह भी क्या कुछ कम लाभ है? कहावत है कि 'कुछ न कुछ किया कर, कुछ न हो तो पाजामा उधेड़कर सिया कर।' बेकार बातों में वक्त गंवाने की से अच्छा है कि पाजामा उधेड़ने और सीने की कला का अभ्यास होता रहे और उस कार्य में हाथ सध जाए। कारीगरों की हर क्षेत्र में आवश्यकता है। देश में उद्योग-धंधे बढ़ रहे हैं। उनमें कुशल कारीगरों की कमी को देखते हुए अच्छी आजीविका मिलने की गुंजाइश रहती है, स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। बाबूगीरी की अपेक्षा लोग मेहनतकश बनने को तैयार हों, तो उनकी शान-शेखी में ही थोड़ी कमी हो सकती है, पर लाभ उन्हें भी होगा और सारे समाज को भी।

विवाह की उम्र : सामाजिक सुधार की अभूतपूर्व पहल

विवाह की उम्र (लेखक- सुरेश हिन्दुस्थानी)

वर्तमान समय में अनादि काल से निर्बाध चली आ रही कुछ प्रथाएं आज कुरीति के रूप में दृष्टव्य हाती दिखाई दे रही हैं। फिर चाहे वह विवाह की आयु का विषय हो, या फिर रीति रिवाजों से संबंधित अन्य प्रचलित प्रथाएं, समय के अनुसार इनको बदलना ही चाहिए, लेकिन कुछ रूढ़िवादी मानसिकता के व्यक्ति या इस दिशा में सक्रिय संस्थाएं ऐसे किसी परिवर्तन का विरोध करके न केवल भारतीय समाज को पीछे धकेलने का कार्य कर रहे हैं, बल्कि देश के उत्थान के मार्ग में भी अवरोधक बनकर खड़े हैं। भारतीय समाज में कई प्रकार की प्रथाएं आज पत्थर की लकीर की तरह स्थापित हो चुकी हैं, इसी कारण आज के समय में सामाजिक असमानता का बहुत बड़ा दोष पनप रहा है। इस दोष के कारण ही समाज में भेदभाव की भावना घर कर रही है। इसी कारण सामाजिक विद्वेष की भावना निर्मित होती है। कम आयु में किसी बच्ची का विवाह करने को एक प्रकार से जीवन की बर्बादी निरूपित किया जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं कही जाएगी। हालांकि आज के समय में इतनी जागरुकता तो दिखाई देती है कि देश में बाल विवाह नहीं हो रहे हैं, फिर भी अपवाद तो मिल ही जाते हैं। बाल विवाह करने का प्रचलन कब और कैसे आया, इसकी प्रामाणिक जानकारी तो नहीं है, लेकिन ऐसा सुना जाता है कि जब मुगल शासकों के अत्याचार का शिकार भारत की युवतियां और मासूम बच्चियां होने लगी थी, तब भारत समाज ने इन बच्चियों को मुगलों की कुदृष्टि से बचाने के लिए इस प्रथा को प्रारंभ किया। हालांकि इसके दुष्परिणाम भी सामने आए। जब किसी बच्ची का विवाह कम उम्र में कर दिया जाए तो यही कहा जाएगा कि उसके बच्चे भी जल्दी ही होंगे। इसमें महत्वपूर्ण बात यह है कि अभी जिस बच्ची का बचपन ठीक से बीता नहीं, उसे एक और बचपन को सुरक्षित करने की जिम्मेदारी असमय ही मिल जाती है। ऐसी स्थिति में न तो वह अपना विकास कर पाती है और न ही मासूम बच्चे की ठीक प्रकार से परवरिश ही कर पाती है। जिससे दोनों ही शारीरिक रूप से विकसित नहीं हो पाते। भारत की संस्कृति में बच्चियों को देवी के रूप में देखने की परंपरा रही है, जो आज भी दृष्टिगोचर होती है। प्रत्येक नवरात्रि पर्व पर बच्चियों में देवी के दर्शन होते हैं। इसलिए ही भारत के दर्शन में कहा जाता है कि जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवताओं का वास होता है। इसका आशय यही है कि उस देश में देव संस्कृति का प्रवाह अविरल रूप से प्रवाहित होता रहता है। ऐसी स्थिति में वह देश संस्कारों की सुरभित बगिया के रूप में महकती रहती है। पुरातन काल से यह मान्यता भी बनी हुई है कि किसी भी बालक की प्रथम गुरू उसकी माता होती है, लेकिन जब माता ही पूर्ण रूप से विकसित नहीं होगी तो स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि वह गुरू की भूमिका ठीक प्रकार से नहीं निभा सकती। इसलिए किसी भी बच्ची का विवाह उचित आयु में करने से सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। आज के समय का अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है कि एक परिवार के सदस्यों की एक ही विषय पर अलग-अलग राय होती है। अलग राय की यह शैली बाहर के वातावरण से मिलती है। जब यह शैली व्यक्ति के आचरण का हिस्सा बन जाती है, तब परिवार में विघटन की स्थितियां पैदा होती हैं। इसलिए परिवार के साथ ही देश में भी संस्कृति की रक्षा करते हुए आवश्यक सुधार भी करने चाहिए। लड़कियों की विवाह की आयु कम करने का कदम इसी दिशा में बहुत ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस कदम की बहुत लम्बे समय से मांग की जा रही थी। वैसे भी आज के समय में लड़कियां स्वयं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपने लिए एक मजबूत आधार निर्मित करना चाहती हैं। इसलिए युवतियां अपने विवाह को लेकर जल्दबाजी नहीं करतीं। इसलिए समाज में देखा जा रहा है कि लड़कियां अधिक आयु में विवाह करने लगी हैं। इसमें एक खास बात यह भी है कि भारतीय संस्कृति में व्यक्तिगत जीवन के लिए चार आश्रम की व्यवस्था है, जिसमें औसत आयु सौ वर्ष मानी गई है और इसी के आधार पर विभाजन किया गया है। प्रथम 25 वर्ष ब्रह्मचर्य, द्वितीय ग्रहस्थ, तृतीय वानप्रस्थ और चतुर्थ संन्यास है। पिछले कुछ वर्षों में औसत आयु में कमी का अनुभव किया जा रहा था, इसलिए विवाह की उम्र भी कम कर दी गई। अब लड़कियों के विवाह की आयु 21 वर्ष करने का निर्णय लिया गया है, जो युवतियों के हक में अभूतपूर्व माना जा रहा है। हम जानते ही हैं कि हम सभी का जीवन प्राकृतिक है, प्रकृति के पंचतत्वों से निर्मित यह जीवन जब तक मर्यादित रहेगा, तब तक यह ठीक प्रकार से कार्य करता रहेगा और जब प्रकृति की अवहेलना होती है, तब स्वाभाविक रूप से यह अनिष्ट की ओर अपने कदम बढ़ाने को तत्पर हो जाता है। इसके लिए एक पौधे का उदाहरण लिया जा सकता है। पौधा नवजात होता है, कुछ समय पश्चात उसमें पत्तियां आने लगती है यानी वह अपना विकास कर रहा होता है, लेकिन फूल और फल आने की अवस्था आने के लिए प्रतीक्षा करनी होती है। एक निश्चित समय के पश्चात ही उससे फल की प्राप्ति होती है। इससे पूर्व अगर फूल और फल लगता है तो वह पूरी तरह से विकास नहीं कर सकता। इसी प्रकार हमारे शरीर की अवस्था है। युवतियों के बारे में यह पौधे से पेड़ बनने वाली स्थिति चरितार्थ होती दिखाई देती है। वर्तमान में समाज के कई परिवार अपनी लड़कियों का विवाह बहुत जल्दी कर देते हैं, जिसका खामियाजा लड़की को भुगतना होता है। केन्द्र सरकार बच्चियों के विवाह की उम्र 21 वर्ष करना एक ऐसा कदम है जो बच्चियों को सुरक्षित हक की प्राप्ति करता है। भारत सरकार से आग्रह यह भी है कि यह कानून सारे समाजों पर एक समान रूप से लागू करना चाहिए और समाज के हर वर्ग को भी इसका पूर्ण रूप से समर्थन करना चाहिए।

दोगुनी रफ्तार से बढ़ता ओमिक्रोन

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

जिस तरह कोरोना के नए वेरिएंट ने अपना रूप दिखाना शुरू कर दिया है, वह चिंता का बड़ा कारण बनता जा रहा है। शुरुआत में इसके संक्रमण से लोगों की मौत नहीं हो रही थी, जिससे उम्मीद बंधी थी कि यह अपना मामूली असर दिखा कर खत्म हो जाएगा लेकिन यह गलत निकला। जिस तरह इसने असर दिखाना शुरू कर दिया है, उससे विशेषज्ञों की चिंताएं बढ़ गयी हैं। अफ्रीका से चला ओमिक्रोन लगभग एक माह में दुनिया के 91 देशों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुका है। तेजी से फैलने वाले इस वेरिएंट को लेकर विशेषज्ञों की मानें तो सख्ती नहीं होने पर क्रिसमस तक इंग्लैंड में प्रतिदिन चार लाख संक्रमित आने लगेंगे। इंग्लैंड तो एक उदाहरण है। दुनिया के लगभग सभी देशों में ओमिक्रोन के दूने संक्रमित आने लगे हैं। न्यूयार्क में पहले ही कर्फ्यू लगाया जा चुका है। दुनिया के देशों में अधिकांश जगह हवाई यात्रा खासतौर से अफ्रीका से आने वाली फ्लाइट पर रोक लग चुकी है। यूरोप के अनेक देशों में हालात बिगड़ रहे हैं तो कोरोना की दूसरी लहर जैसे हालात का डर सताने लगा है। यही कारण है कि कई देश लॉकडाउन जैसे अप्रिय पर जरूरी प्रतिबंधों की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। भारत में भी कोरोना के मामलों में तेजी आई है। ओमिक्रोन का संक्रमण अब हमारे देश में भी इकाई-दहाई की संख्या को पार कर चुका है। दरअसल, कोरोना को लेकर जितने कयास लगाए जा रहे थे सभी निर्मूल सिद्ध हुए। जब 2019 में कोरोना संक्रमण शुरू हुआ तो यह माना जाने लगा कि गर्मियां आते यह अपने आप खत्म हो जाएगा पर ऐसा हुआ नहीं बल्कि 2020 में भयावह दूसरी लहर का हमारे देश सहित दुनिया के देशों ने कहर भुगता। चिकित्सा विज्ञानी पहले ही तीसरी लहर की आशंका व्यक्त कर चुके हैं। एक ओर सरकारें व्यवस्था को पटरी पर लाने का प्रयास करती हैं तो थोड़ी-सी ढील ही परेशानी का कारण बन जाती है। यूरोपीय देशों में कोरोना प्रोटोकाल प्रतिबंध हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं तो अमेरिका जैसे देश में भी सैनिकों के एक वर्ग द्वारा वैक्सीन लगवाने से ही इनकार किया जा रहा है। हालांकि अब अमेरिकी सरकार ऐसे सैनिकों के खिलाफ कार्रवाई का मन बना चुकी है। यही हाल कोरोना प्रोटोकॉल के पालन का है। सड़कों या बाजारों में सही तरीके से मास्क लगाए गिने-चुने लोग ही दिखाई देते हैं। दो गज दूरी की बात बेमानी बनकर रह गयी है। ऐसे में कोरोना का कोई वेरियंट हो उससे बच पाना मुश्किल है। चिंता की बात यह है कि ओमिक्रोन, वैक्सीन की दोनों डोज लेने वालों को भी नहीं बख्श रहा है। ऐसे में बूस्टर डोज की बात कही जाने लगी है। शुरू में माना जा रहा था कि कोरोना का प्रकोप अधिक दिनों नहीं चलेगा पर देखते-देखते दो साल में दुनिया के देश इसके पांच वेरिएंट से रूबरू हो चुके हैं। सितंबर 2020 में इंग्लैंड में अल्फा, मई 2020 में दक्षिण अफ्रीका में बीटा, नवंबर 2020 में ब्राजील में गामा, अक्टूबर 2020 में भारत में डेल्टा और अब ओमिक्रोन ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। वायरस की जीनोमिक संरचना में बदलाव होकर यह नए वेरिएंट का रूप ले लेता है। दरअसल यह मौसम कोरोना खासतौर से नए वेरिएंट ओमिक्रोन के लिए अधिक अनुकूल है। सर्दी में वायरस अधिक सक्रिय हो जाते हैं। यह तो कोरोना काल है नहीं तो वैसे भी सर्दियों में सर्दी-जुकाम का असर सबसे ज्यादा देखा जाता है। सर्दी-जुकाम वालों को कोरोना या यों कहें कि ओमिक्रोन जल्दी संक्रमित कर देता है, यही कारण है कि यूरोप में ओमिक्रोन का तेजी से फैलाव हुआ है। अब क्रिसमस और नया साल का जश्न सामने हैं तो हमारे यहां अभी शादियों का सीजन निकला ही है। हालांकि यात्रा करने वालों से यह वायरस फैल रहा है पर जहां एकबार आ जाता है तो फिर संपर्क में आने वाले व्यक्ति को संक्रमित करने में देरी भी नहीं लगाता। ऐसे हालात को देखते हुए यह समझना होगा कि एकाध साल तो कोरोना के संग ही जीना है। ऐसे में कोरोना कोई नया रूप लेकर आए, उससे पहले सतर्कता ही हमारे जीवन को बचा सकती है। दो गज की दूरी और मास्क जरूरी- जीवन में रच-बस जाना चाहिए। सेनिटाइजर, बार-बार हाथ धोने और गुनगुने पानी के सेवन जैसी सावधानियां रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बन जाना चाहिए। सावधानी और सतर्कता आज की आवश्यकता है और यह हमें ध्यान रखना ही होगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सू-दोकू नवताल -2000

1	2		5	3	8			7
		3	4		7		1	6
5		4				3		2
			6			8		
2	6		9		4		3	5
		1			5			
4		2				7		1
9	8		2		1	6		
6			7	9	3		2	8

सू-दोकू -1999 का हल

4	8	3	6	2	9	1	5	7
6	1	5	4	7	3	2	9	8
2	7	9	1	5	8	3	4	6
3	9	1	5	8	2	6	7	4
5	2	7	3	4	6	9	8	1
8	6	4	7	9	1	5	2	3
9	3	8	2	6	4	7	1	5
1	5	2	8	3	7	4	6	9
7	4	6	9	1	5	8	3	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2000

बायें से दायें:-

1. 'जान की कसम सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-3
3. 'पहली पहली बार बलिये' गीत वाली अक्षय कुमार, प्रीति की फिल्म-3
5. आफताब शिवदासानी, युक्ता मुखी की 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली फिल्म-2
7. 'तू मेरे पास भी है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, मनोज राजपाल, उर्मिला की फिल्म-2
9. फिल्म 'सत्यकाम' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी?-3
11. गोविंदा, उर्मिला मातोंडकर की 'ये लड़की जवान हो गई' गीत वाली फिल्म-3
13. राकेश रोशन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-2,2
14. 'तेरे संग प्यार मैं' गीत वाली फिल्म-3
15. फिल्म 'जय संतोषी मां' के गीत 'मैं तो आरती उतारूं रे' की गायिका-2
17. सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन अभिनीत फिल्म-2
18. मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा, सरिता अभिनीत फिल्म-3
21. 'चंदा मामा दूर के' गीत वाली फिल्म-3
23. रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-2
24. सनी देओल, रवीना टंडन की 'सैंया मान दिल की बात' गीतवाली फिल्म-3
27. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-2
28. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था?-4
30. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-3
31. फिल्म 'पाप की कमाई' में सनी देओल के साथ नायिका -3
32. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-1

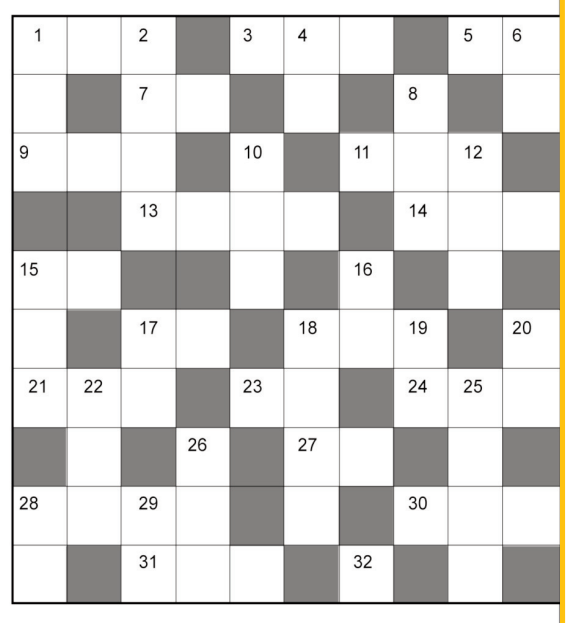

ऊपर से नीचे:-

1. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-3
2. 'आ लग जा गले' गीत वाली फिल्म-2,2
4. विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-2
6. राजेंद्र कुमार, वैजयंती माला की फिल्म-2
8. 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली ऋषि कपूर, शाहरुख, दिव्या भारती की फिल्म-3
10. अजय, अभिषेक, बिपाशा बसु की फिल्म-3
12. अशोक पिच्चर्स द्वारा निर्मित अशोक कुमार, किशोर कुमार, पद्मिनी की 1958 की एक फिल्म-3
15. शशि कपूर, शेखर सुमन, रेखा, नीना गुप्ता की फिल्म-3
16. फिल्म 'लव लव लव' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी?-2
17. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2
18. मिथुन, जैकी, जूही, दिव्या भारती की 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली फिल्म-4
19. 'छम से वो आ जाए' गीत वाली संजय दत्त, अभिषेक, जायेद, एशा देओल, राइमा सेन, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-2
20. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-2
22. 'कल की हसीं मुलाकात के लिए' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-3
25. जैकी, अक्षय खन्ना, डिम्पल, मनीषा की 'आ कहीं दूर चले जाएं हम' गीत वाली फिल्म-4
26. साधना के डबल रोल वाली फिल्म 'मेरा साया' का नायक कौन था?-3
28. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, मनोज वाजपेई, रवीना, नंदिता की फिल्म-2
29. 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी?-2

फिल्म वर्ग पहेली-1999

मि	ली		अ	स	ली	न	क	ली	
ला		अ	म	र		गी		ना	ना
प	ह	चा	न		अ	ना	ड़ी		र
	म	न		क्रो	ध			र	ज
फा		क	र्म		र्म		स	नी	
गु	प्त			दु		शा	न		डो
न		को	य	ला		का	म	चो	र
	आ	ह		री	ना			ट	
र	जा	र	नी		दा	ग			बा
	द		तू	फा	न		दि	ल्ल	गी

पेट्रोल और डीजल की कीमतें नहीं बदली

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में शे निवार को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बीते 51 दिन से पेट्रोल और डीजल की कीमत वही चल रही है। दिल्ली में पेट्रोल के दाम 95.41 रुपए प्रतिलीटर पर हैं। वहीं दूसरी ओर कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत क्रमशः 104.67 रुपए, 109.98 रुपए और 101.40 रुपए प्रर्ता लीटर हैं। ऑयल मार्केटिंग कंपनि यों ने बीते 4 नवंबर 2021 से पेट्रोल और डीजल की कीमत ने कोई बदलाव नहीं किया है। आईओसीएल के अनुसार देश के चारों महानगरों में डीजल के दाम वही लागू रहेंगे जो कि बीते दिनों से देखने को मिल रहे हैं। आंकड़ों पर बात करें तो नई दिल्ली में डीजल के दाम 86.67 रुपए, कोलकाता में 89.79 रुपए, मुंबई में 94.14 रुपए और चेन्नई में 91.43 रुपए प्रति लीटर हैं।

सोया खली पर स्टॉक रखने की सीमा तय

नई दिल्ली।

कृषि जिंसों के वायदा कारोबार पर प्रतिबंध और दलहन के मुक्त आयात की अनुमति मार्च 2022 तक बढ़ाने के बाद केंद्र सरकार ने सोया खली के स्टॉक रखने की सीमा तय कर दी है, जिससे इसकी कीमतों पर काबू पाया जा सके। उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने एक सर्कुलर में कहा है कि सोया खली के मिलर, प्रॉसेसर या संयंत्र अपने उत्पादन के 90 दिन के बराबर स्टॉक रख सकते हैं, वहीं ट्रेडर और ट्रेडिंग कंपनी सिर्फ 160 टन सोयाखली भंडारण केंद्रों पर रख सकते हैं। एक अप्रत्याशित कदम के तहत आवश्यक जिंस अधिनियम 1955 में संशोधन कर सोयाखली को इसमें शामिल कर प्रतिबंध लगाया गया है। केंद्र ने कहा कि इस फैसले से केंद व सभी राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों को सोयाखली के उत्पादन, वितरण आदि का अधिकार मिलेगा। आधिकारिक सर्कुलर के मुताबिक स्टॉक रखने की सीमा 30 जून, 2022 तक लागू रहेगी।

4.20 करोड़ लोगों ने भरा आयकर रिटर्न

नई दिल्ली ।

आयकर विभाग के बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 के लिए शुक्रवार तक 42029919 आयकर रिटर्न दाखिल किए गए। विभाग ने बताया कि सिर्फ शुक्रवार को ही 1096557 रिटर्न दाखिल किए गए। उसने कहा कि 23 दिसंबर तक 23303193 आईटीआर 1, 3641851 आईटीआर 2, 4269173 आईटीआर 3, 10166244 आईटीआर 4, 431252 आईटीआर 5, 183572 आईटीआर 6 और 34661 आईटीआर 7 दाखित हुए हैं। गौरतलब है कि इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर निर्धारित है और इसके आगे बढ़ने की कोई भी उम्मीद नहीं है। जुर्माना से बचने के लिए आपको इस तय तिथि तक अपना रिटर्न दाखिल करना है। गौरतलब है` कि 31 दिसंबर 2021-22 एसेसमेंट ईयर के लिए इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख है इसके बाद रिटर्न दाखिल करने पर जुर्माना भरना पड़ेगा। आयकर विभाग ने भी ट्वीट कर लोगों से अपील भी की है कि वे जल्द से जल्द आयकर रिटर्न भर लें।

भारत से चीन को इंजीनियरिंग सामान का निर्यात नवंबर में दोगुना हुआ : ईईपीसी इंडिया

नई दिल्ली।

भारत से चीन के लिए इंजीनियरिंग सामान का निर्यात इस साल नवंबर में बढ़कर 43.46 करोड़ डॉलर हो गया है। यह जानकारी इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल इंडिया ने शुक्रवार को दी। काउंसिल ने कहा कि नवंबर 2020 में ऐसे सामानों का निर्यात 20.53 करोड़ डॉलर था। हालांकि, अमेरिका 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए, इस महीने के दौरान 1,19.6 करोड़ डॉलर में भारतीय इंजीनियरिंग सामान का शीर्ष खरीदार बना रहा। ईईपीसी ने आगे कहा कि यह ध्यान रखना जरूरी है कि 4 महीनों के लगातार लगभग 9 अरब डॉलर तक पहुंचने के बाद, नवंबर में कुल इंजीनियरिंग निर्यात की मात्रा घटकर लगभग 7.7 बिलियन डॉलर हो गई। ईईपीसी इंडिया के अध्यक्ष महेश देसाई ने कहा, मंदी से संकेत मिलता है कि निर्यातकों को दुनिया की मांग में अस्थिरता और महामारी के बारे में अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है जो नए वेरिएंट ओमिक्रॉन की वजह से हुआ है। दुनिया भर के विशेषज्ञों ने पहले ही अनुमान लगाया है कि वैश्विक व्यापार वृद्धि उल्लेखनीय है। इस स्थिति में निर्यातकों को देश के पूर्ण समर्थन की आवश्यकता है ताकि वे आगामी अनिश्चितताओं के दौरान भी प्रतिस्पर्धी बने रहें। ईईपीसी ने केंद्र से आग्रह किया कि बढ़ती मुद्रास्फीति, कच्चे माल की बढ़ती कीमतों के साथ-साथ लॉजिस्टिक मुद्दों, कंटेनरों की कमी जैसे मामलों को तत्काल देखा जाए।

वेदांत की प्रवर्तक वेस्टग्लोब कंपनी से बाहर

मुंबई ।

वेदांत की प्रवर्तक वेदांत होल्डिंग्स मॉरीशस ने कंपनी के 4.43 करोड़ शेयर अन्य प्रवर्तक कंपनी वेस्टग्लोब से 340 रुपए प्रति शेयर भाव पर खरीदे। वेदांत होल्डिंग्स मॉरीशस ने इस पर कुल 1,509.4 करोड़ रुपए खर्च किए। इस तरह से वेस्टग्लोब को निकासी का रास्ता उपलब्ध कराया। वेस्टग्लोब के पास कंपनी की 1.9 फीसदी हिस्सेदारी थी, जिसकी बिक्री वेदांत होल्डिंग्स मॉरीशस को करने के बाद वह बाहर निकल गई है और वेदांत होल्डिंग्स मॉरीशस की हिस्सेदारी अब 4.08 फीसदी हो गई है, जो 30 सितंबर, 2021 को 2.89 फीसदी थी। नवंबर में वेदांत की अन्य प्रवर्तक ट्विन स्टार होल्डिंग्स लिमिटेड और वेदांत नीदरलैंड्स इन्वेस्टमेंट बीवी ने कंपनी के 13.86 करोड़ शेयर 349.7 रुपए के भाव पर खरीदे थे। इससे कुल खरीद 4,846 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। कुल मिलाकर प्रवर्तकों ने कंपनी की 3.7 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी क्यों कि ट्विन स्टार होल्डिंग्स ने 2.36 फीसदी और वेदात नीदरलैंड्स इन्वेस्टमेंट्स ने 1.35 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी।

दुनिया के 10 अमीरों के पास है सबसे ज्यादा पैसा

नई दिल्ली।

साल 2021 समो प्ति की ओर है। बीते साल ने कोरोना संकट के साथ-साथ कई उतार चढ़ाव देखे। यह उतार चढ़ाव दुनिया के सबसे रईस लोगों की सूची में भी देखने को मिला। कभी ऐमजॉन के जेफ बेजोस दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए तो कभी टेस्ला के एलन मस्क (274 अरब डॉलर) ने उन्हें पीछे छोड़ते हुए नंबर वन पोजिशन को हासिल किया। वर्तमान में एलन मस्क दुनिया के सबसे रईस शख्स के पायदान पर काबिज हैं। गौरतलब हि` कि दुनिया के प्रमुख 10 अमीर लोगों में एलन मस्क के अलावा जेफ बेजोस 197 अरब डॉलर, बरनार्ड अरनॉल्ट 171 अरब डॉलर, बिल गेट्स 137 अरब डॉलर, लैरी पेज 130 अरब डॉलर, सर्जे ब्रिन 125 अरब डॉलर, मार्क जुकरबर्ग 125 अरब डॉलर, स्टीव बॉलमेर 119 अरब डॉलर, लैरी एलिसन 109 अरब डॉलर और वॉरेन बफे की संपे त्ति 107 अरब डॉलर है। भारत और एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी दुनिया में 12वें सबसे रईस हैं। ब्लूमबर्ग बिलियेनियर इंडेक्स के मुताबिक इस वक्त अंबानी की दौलत 89.3 अरब डॉलर है। वहीं भारत के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडानी की बात करें तो वह दुनिया में 14वें सबसे रईस हैं। उनकी दौलत वर्तमान में 77.7 अरब डॉलर है।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह पांच में से चार दिन बढ़त में रहे बाजार

सेंसेक्स 190 अंक की गिरावट के साथ 57,124 पर बंद

निफ्टी 68.85 अंक टूटकर 17,003 पर बंद

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच इंफोसिस, टीसीएस और एचसीएल टेक जैसे बड़े शेयरों में बढ़ोतरी की वजह से लगाता चौथे दिन शुक्रवार को शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह पांच कारोबारी दिनों में से घरेलू शेयर बाजारों में सप्ताह के पहले दिन भारी गिरावट दर्ज की गई ले किन शेष चार दिन बाजार में बढ़त बनी रही। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों के चलते निवेशकों के चिंतित होने और वैश्विक बाजारों में बिकवाली के बीच प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स सोमवार को 1,028.61 अंक की गिरावट के साथ 55,983.13 पर खुला और 1,189.73 अंक टूटकर 55,822.01 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 307.50 अंक की गिरावट के साथ 16,677.70 पर खुला और 371 अंक का गोता लगाकर 16,614.20 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 635.96 अंक की तेजी के साथ 56,457.97 पर खुला और 497 अंक की बढ़त के साथ 56,319.01 पर बंद हुआ। निफ्टी 187.05 अंक की तेजी के साथ 16,801.25 पर खुला और 156.65 अंक उछलकर 16,770.85 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 449.23 अंक की तेजी के साथ 56,768.24 पर खुला और 611.55 अंक की बढ़त के साथ 56,930.56 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 134.95 अंक की तेजी के साथ 16,905.80 पर खुला और 184.60 अंक की तेजी के साथ 16,955.45 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 305.15 अंक की तेजी के साथ 57,235.71 पर खुला और 384.72 अंक की बढ़त के साथ 57,315.28 पर बंद हुआ। निफ्टी 88.25 अंक की तेजी के साथ 17,043.70 पर खुला और 117.15 अंक उछलकर 17,072.60 अंक पर बंद हुआ। वहीं शुक्रवार को सेंसेक्स 114.57 अंक की तेजी के साथ 57,429.85 पर खुला और 190.97 अंक की गिरावट के साथ 57,124.31 पर बंद हुआ। निफ्टी 28.50 अंक चढ़कर 17,101.10 पर खुला और 68.85 अंक टूटकर 17,003.75 अंक पर बंद हुआ।

भारत में चीनी कंपनियों पर छापेमारी के बाद चीन ने निराशा व्यक्त की

नई दिल्ली।

भारत में स्थित कई चीनी कंपनियों पर कर और आय के मुद्दों पर आयकर विभाग की छापेमारी के बाद चीन ने निराशा व्यक्त की है। चीन सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीनी विश्लेषकों ने आग्रह किया है कि भारत सरकार को अपने देश में चीनी कंपनियों के वैध अधिकारों और हितों की रक्षा करनी चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी फर्मों का संचालन फिलहाल सामान्य है, लेकिन संबंधित कंपनियां अपने भारतीय कर्मचारियों को आश्वस्त करना चाहती हैं, क्योंकि जांच से कुछ चिंताएं पैदा हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जांच अभी पूरी नहीं हुई है, लेकिन कुछ चीनी विशेषज्ञों ने गुरुवार को दोहराया कि भारत में कारोबारी माहौल न केवल चीनी कंपनियों के लिए बल्कि सभी विदेशी कंपनियों के लिए कठोर है। रिपोर्ट के अनुसार, चीनी विशेषज्ञों ने बताया कि भारत में गैर-बाजार कारकों (नॉन मार्केट फैक्टर्स) का उन पर बड़ा और अप्रत्याशित प्रभाव पड़ेगा और कई समस्याएं पैदा होंगी और कई पश्चिमी कंपनियां पहले ही इस कारण से देश से बाहर हो चुकी हैं। उन्होंने चीनी फर्मों से भारत में निवेश करने और व्यापार करने में सावधानी बरतने की भी सलाह दी है। इसके साथ ही उन्होंने कंपनियों से कहा है कि यदि वे वहां रहना चाहती हैं तो उन्हें स्थानीय कानूनों का सख्ती से पालन करना चाहिए और अधिकारियों के लिए कार्रवाई करने का कोई बहाना नहीं छोड़ना चाहिए। कर विभाग ने गुरुवार को ओप्पो और श्याओमी से जुड़े राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई, राजकोट और कर्नाटक में 20 से अधिक परिसरों की तलाशी ली थी। चीनी कंपनी वनप्लस के कार्यालयों में भी तलाशी ली गई, जो ओप्पो में विलय हो गई है लेकिन एक अलग ब्रांड के रूप में काम करती है। बीजिंग में सिंघुआ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय रणनीति संस्थान में अनुसंधान विभाग के निदेशक कियान फेंग ने कहा, भारत के कर कानून बहुत जटिल हैं और हाल के वर्षों में कई भारतीय कंपनियों और कुछ संयुक्त उद्यम उद्यमों की भी कर मुद्दों पर जांच की गई है। कियान ने कहा कि हालांकि नवीनतम जांच मुख्य रूप से आर्थिक कारणों से संचालित होने की संभावना है, मगर राजनीतिक प्रभाव की संभावना अभी भी मौजूद है, क्योंकि सरकार में अत्यधिक चीन विरोधी ताकतें हैं और वे भारत में चीनी फर्मों से संबंधित मामलों को भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण से देखेंगे।शंघाई में फुडन विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के प्रोफेसर लिन मिनवांग ने ग्लोबल टाइम्स को बताया कि जांच बिल्कुल भी आश्चर्य की बात नहीं है, क्योंकि भारतीय अधिकारियों, विशेष रूप से कुछ स्थानीय सरकारों में, इस बात की परवाह नहीं है कि चीनी कंपनियां कैसा महसूस करती हैं, क्योंकि वे चीन के साथ विघटन या विच्छेदन पर जोर दे रहे हैं। वे चीनी फर्मों को सही लक्ष्य के रूप में देखते हैं, और उन्हें परवाह नहीं है कि चीनी निवेशक देश में कारोबारी माहौल को कैसे देखेंगे। ग्लोबल टाइम्स को गुरुवार को भेजे गए एक बयान में श्याओमी के एक प्रवक्ता ने कहा, एक जिम्मेदार कंपनी के रूप में, हम यह सुनिश्चित करने के लिए सर्वोपरि महत्व देते हैं कि हम सभी भारतीय कानूनों का अनुपालन करते हैं। भारत में एक निवेशित भागीदार के रूप में, हम यह सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं कि उनके पास सभी आवश्यक जानकारी है।अधिकारियों की ओर से चीनी वेंडर्स के साथ, उनके अनुबंध निर्माताओं की भी तलाशी ली गई। फॉक्सकॉन ने कहा कि वह इस मामले को देख रहे हैं।

अगले वित्त वर्ष में जीडीपी में 8.2 फीसदी की वृद्धि का पूर्वानुमानः ब्रोकरेज कंपनी

मुंबई ।

वृद्धि, मुद्रास्फीति और उपभोग की मांग में मौद्रिक नीति के सामान्य होने को लेकर चिंताओं के कारण आने वाला वर्ष पिछले दो वर्ष की तुलना में अधिक जोखिम भरा रह सकता है। वॉल स्ट्रीट की एक ब्रोकरेज कंपनी ने अगले वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 8.2 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान व्यक्त किया है जिसमें कई जोखिम भरे कारकों को ध्यान में रखा गया है। बैंक ऑफ अमेरिका सिक्युरिटीज इंडिया (बीओएफए) के अर्थशास्त्रियों ने जीडीपी को लेकर अपने अनुमान में कहा है कि बीते कई वर्षों से वृद्धि का मुख्य कारक रही उपभोक्ता मांग का पटरी से उतरना सबसे बड़ा जोखिम है। उनका मानना है कि उपभोक्ताओं की मांग अगले वित्त वर्ष में भी विकास का मुख्य कारक बनी रहेगी। मुद्रास्फीति और मौद्रिक नीति सामान्यीकरण के उपभोक्ता मांग पर असर को इस पूर्वानुमान में सबसे बड़े जोखिम के कारक बताते हुए अर्थशास्त्रियों ने कहा कि आरबीआई वित्त वर्ष 2022-23 में रेपो दर को 100 बीपीएस तक बढ़ा सकता है। उन्हें आशंका है कि इससे उपभोक्ता मांग पर बुरा असर पड़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार एक और बड़ा जोखिम अगले साल खराब मॉनसून का पूर्वानुमान भी है। गौरतलब है कि पिछले तीन साल मानसून अच्छा रहा, जिससे कृषि क्षेत्र को लाभ मिला।

रूस की अदालत ने गूगल और मेटा पर लगाया जुर्माना

मॉस्को ।

मॉस्को की एक अदालत ने स्थानीय कानून द्वारा प्रतिबंधित सामग्री को हटाने में विफल रहने पर गूगल पर लगभग 10 करोड़ डॉलर का जुर्माना लगाया। अदालत ने फेसबुक की मूल कंपनी मेटा पर भी 2.72 करोड़ डॉलर का जुर्माना लगाया। रूस बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों पर दबाव बढ़ा रहा है। टैगांस्की जिला अदालत ने फैसला सुनाया कि गूगल ने बार-बार प्रतिबंधित सामग्री को हटाने के निर्देश की उपेक्षा की और कंपनी को लगभग 7.2 अरब रूबल (लगभग 9.84 करोड़ डॉलर) का जुर्माना देने का आदेश दिया। गूगल ने कहा कि वह अदालत के आदेश का अध्ययन करेगा और उसके बाद अपने अगले कदम पर फैसला करेगा। बाद में अदालत ने मेटा पर भी प्रतिबंधित सामग्री को हटाने में विफल रहने के लिए 1.9 अरब रूबल (2.72 करोड़ डॉलर) का जुर्माना लगाया। रूसी अधिकारियों ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग, हथियारों और विस्फोटकों से संबंधित सामग्री को हटाने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार दबाव बढ़ाया है।

इस साल की शुरुआत में अधिकारियों ने जेल में बंद रूस सरकार के आलोचक एलेक्सी नवलनी के समर्थन में विरोध के बारे में घोषणाओं को नहीं हटाने के लिए प्रौद्योगिकी कंपनियों को दोषी ठहराया था। रूसी अदालतें इस साल गूगल, फेसबुक और ट्विटर पर छोटे जुर्माना लगा चुकी हैं।

टाटा मोटर्स जल्द लाएगी टाटा पंच का एक सीएनजी वैरिएंट

नई दिल्ली ।

खबर हैं कि टाटा मोटर्स 2022 में अपने कुछ मॉडल के फैक्ट्री-फिटेड सीएनजी एडिशन की पेशकश करेगी।इसकी शुरुआत टियागो और टिगोर से करने जा रही हैं। अब इसमें एक और नया अपडेट जुड़ा है। खबर ये है कि टाटा के इन मॉडल्स के सेल पर जाने के बाद जल्द ही एक टाटा पंच का एक सीएनजी वैरिएंट लांच होगा। इसकी संभावना इसलिए भी ज्यादा है, कि टाटा ने इन सभी तीन मॉडल्स में एक जैसे 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन दिए हैं, जो 86 पीएस की पावर और 113 एनएम का टॉर्क जेनरेट करते हैं।इनमें 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन स्टैंडर्ड के रूप में पेश किया जाता है, जबकि इन हैचबैक, सेडान और माइक्रो एसयूवी को ऑप्शनल 5-स्पीड एएमटी मिलता है। 5-स्पीड एमटी, सिर्फ सीएनजी वेरिएंट पर प्रदान किया जाएगा, जिससे उनके आउटपुट में भी गिरावट देखी जा सकती है। अगर माइक्रो एसयूवी को सीएनजी वेरिएंट मिलता है,तब इसका लांच के समय कोई सीधा राइवल नहीं होगा। क्योंकि इस सेगमेंट में कोई भी मॉडल इतने फीचर्स नहीं दे रहा है। सीएनजी ऑप्शन एडिशन के साथ कम से कम आठ मॉडल मार्केट में हैं।टाटा से पहले मारुति और हुंडई क्लीनर फ्यूल ऑप्शन की पेशकश कर चुकी है।टाटा ऐसा करने वाला तीसरा ब्रांड बन है, और यह सूची जल्द ही बढ़ने वाली है क्योंकि मारुति और होंडा पहले से ही इस तरह के किट के साथ अपने कुछ मॉडल्स की टेस्टिंग करते हैं। सीएनजी के डिमांड में आने की एक बड़ी वजह पेट्रोल और डीजल की आसमान छूती कीमतें हैं। इसके अलावा लोग अब व्हीकल्स से निकलने वाले धुंए से पर्यावरण पर पड़ रहे प्रभाव के बारे में अधिक जागरूक हो रहे हैं।

पतंजिल और अडानी विल्मर का आईपीओ आएगा साल 2022 में, निवेशकों को इंतजार

नई दिल्ली।

साल 2021 इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ के लिए बेहद खास रहा। इस साल कई बड़ी कंपनियों के आईपीओ लांच हुए और कुछ ने जबरदस्त रिटर्न दिया। इस तरह, नए साल यानी 2022 में भी कई कंपनियों के आईपीओ लांच होने वाले हैं। इनमें कई कंपनियों के आईपीओ हैं,जिसका निवेशक इंतजार कर रहे हैं। इसतरह के दो आईपीओ योग गुरु रामदेव की पतंजिल और गौतम अडानी की अडानी विल्मर के हैं। दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी की एक और कंपनी अडानी विल्मर लिमिटेड शेयर बाजार में लिस्टेड होने के लिए तैयार है। इस आईपीओ की लाचिंग के बाद कंपनी शेयर बाजार में लिस्ट होगी।इसके साथ ही अडानी ग्रुप की कुल 7 कंपनियां शेयर बाजार में लिस्टेड हो जाएंगी। सेबी की ओर से आईपीओ को मंजूरी भी मिल चुकी है। वहीं योग गुरु रामदेव की पतंजलि का आईपीओ भी आने वाला है। योगगुरु ने ये संकेत दिए थे कि पतंजलि का आईपीओ चालू वित्त वर्ष में आ सकता है। बता दें कि दंत मंजन से लेकर आटा जैसे उत्पाद बेचने वाली पतंजलि का वित्त वर्ष 2020-21 में कारोबार करीब 30,000 करोड़ रुपये रहा। इसमें रुचि सोया से होने वाला 16,318 करोड़ रुपये का कारोबार शामिल है। साल 2019 में कर्ज में डूबे रुचि सोया का पतंजलि समूह ने अधिग्रहण किया था। बता दें कि रुचि सोया के अधिग्रहण के लिए योगगुरु रामदेव और अडानी के बीच भिड़ंत हुई थी। हालांकि, बाद में गौतम अडानी ने अधिग्रहण की रेस से खुद को बाहर कर लिया। इसके बाद ये कंपनी योगगुरु रामदेव के हाथों में चली गई।

द्रविड़ ने बताया, दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट क्रिकेट खेलना चुनौतीपूर्ण

सेंचुरियन । टीम इंडिया रविवार से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए तैयार है। दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में खेला जाएगा। हेड कोच राहुल द्रविड़ का बतौर कोच यह पहला दौरा है। भारत ने द्रविड़ की कप्तानी में ही दक्षिण अफ्रीका में 2006 में पहली बार कोई टेस्ट मैच जीता था। भारतीय टीम अबतक एक बार भी दक्षिण अफ्रीका में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाई है और इस बार भी यह आसान नहीं होने वाला है। हेड कोच द्रविड़ का भी मानना है कि दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट क्रिकेट खेलना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन उनके खिलाड़ी इस चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। द्रविड़ ने बीसीसीआई टीवी को दिए इंटरव्यू में बताया कि दक्षिण अफ्रीका में क्यों टेस्ट क्रिकेट खेलना चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा, यह टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए एक बहुत ही अच्छा देश है। साथ ही यहां टेस्ट क्रिकेट खेलना बहुत ही चुनौतीपूर्ण है। यहां की परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण है। लेकिन हम यहां टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए काफी उत्साहित हैं। मेरी कई यादें दक्षिण अफ्रीका के साथ जुड़ी हुई है। मैंने अपना पहला टेस्ट शतक इसी देश में लगाया था। भारत ने मेरी ही कप्तानी में पहली बार यहां कोई टेस्ट मैच जीता था। लेकिन साथ ही यहां से कुछ खट्टी यादें भी रही है। हम 2003 वर्ल्ड कप फाइनल यहीं खेले थे, लेकिन हार गए थे।

अफ्रीकी जमीन पर भारतीय टीम के पास सीरीज जीतने का सुनहरा मौका

सेंचुरियन।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में शानदार जीत हासिल करने के बाद, भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में बॉक्सिंग डे टेस्ट से तीन मैचों की सीरीज का आगाज करने वाला है। पहली बार यहां सीरीज जीतने का भारतीय टीम के पास सुनहरा मौका है। कोविड-19 के नए वैरिएंट ओमिक्रोन को देखते हुए, दोनों देशों के बीच टेस्ट और वनडे सीरीज खेलने का फैसला किया गया था, जबकि टी20 सीरीज को बाद में कराने का निर्णय लिया गया। दक्षिण अफ्रीका अपनी गति, उछाल और चुनौतीपूर्ण पिचों के साथ भारत पर दबाव बनाने में सफल रहा है। इस कारण भारत ने यहां कभी सीरीज नहीं जीती है। 2018 में भारत ने केपटाउन में पहले टेस्ट से अच्छी शुरुआत करते हुए सीरीज जीतने की उम्मीद की थी। लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने वापसी करते हुए भारत को 2-1 से परास्त कर दिया था। उपकप्तान केएल राहुल ने सीरीज को लेकर अच्छी बातें कही हैं। राहुल ने शुक्रवार को वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, अभी तक सिर्फ पहले टेस्ट मैच की चर्चा हुई है। हम ज्यादा आगे के बारे में नहीं सोच रहे हैं। सीरीज का पहला टेस्ट मैच हमारे लिए अच्छी शुरुआत के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। हमारी सारी चर्चा और फोकस पहले गेम में सर्वश्रेष्ठ करने पर है। 2018 के दौरे के बाद से जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन किया है, इसके बाद मोहम्मद शमी और इशांत शर्मा के साथ उमेश यादव, मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर ने भारत के लिए अच्छा किया है। भारत की तेज गेंदबाजी लाइनअप को दक्षिण अफ्रीका के कप्तान डीन एल्गार ने सबसे बड़ी चुनौती बताया है। उन्होंने कहा, इस समय उनकी ताकत उनकी गेंदबाजी है। हम इसके बारे में भी बेहद जागरूक हैं। एक गेंदबाजी इकाई के रूप में उन्हें बहुत सारी सफलताएं मिली हैं। उनके पास बहुत अच्छे गेंदबाज हैं जो आक्रमण का नेतृत्व करते हैं। मुझे लगता है कि दक्षिण अफ्रीका में होने के नाते उनके गेंदबाज परिस्थितियों का फायदा उठाएंगे। हालांकि, भारत को बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल की कमी खलेगी, लेकिन ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को भी कम नहीं आंका जा सकता है। वहीं, भारतीय टीम की मुख्य चिंता कप्तान विराट कोहली, सीनियर खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे के रूप में रही है, जिन्होंने लंबे समय कोई बड़ी पारी नहीं खेली है। न्यूजीलैंड के खिलाफ हालिया घरेलू सीरीज में श्रेयस अय्यर और मयंक अग्रवाल ने भारत के लिए महत्वपूर्ण रन बनाए थे।

खेल मंत्रालय फेंसर भवानी देवी को तैयारी के लिए देगा इतने लाख रुपए

नई दिल्ली ।

ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली भारतीय फेंसर (तलवारबाज) भवानी देवी 2022 में चार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए तैयार हैं। इसके मद्देनजर केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्रालय की ओर ने प्रतियोगिताओं में भवानी की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के लिए वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) प्रणाली के तहत कुल 8.16 लाख रुपए की राशि को स्वीकृत दी है। टोक्यो खेलों में राउंड ऑफ 32 के मैच में हारने से पहले व्यक्तिगत सेबर मैच का पहला राउंड जीतने वाली भवानी चार जनवरी से जॉर्जिया के त्बिलिसी में एक प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगी और फिर इसी शहर में 14 से 16 जनवरी तक अंतरराष्ट्रीय फेंसिंग फेडरेशन विश्व कप में भाग लेंगी। इसके बाद वह 28 से 29 जनवरी तक बुल्गारिया के प्लोवदीव में होने वाले विश्व कप में भाग लेंगी। वर्तमान में व्यक्तिगत महिला सेबर श्रेणी में विश्व रैंकिंग में 55वें स्थान पर काबिज भवानी फिर ग्रीस और बेल्जियम में क्रमशः चार और पांच मार्च तथा 18 और 19 मार्च को विश्व कप में भाग लेंगी। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय ने इस साल की शुरुआत में वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए मार्च 2022 तक फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएआई) के लिए तीन करोड़ रुपए की एसीटीसी राशि को मंजूरी दी थी।दरअसल एसीटीसी प्रणाली के तहत भारत सरकार सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल संघों के दीर्घकालिक अनुमानों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं/ शिविरों और एथलीट प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची को देखने के बाद हर वित्तीय वर्ष उन्हें अनुदान जारी करती है।

PKL : बेंगलुरू बुल्स ने तमिल थलाइवाज को चटाई धूल, जीता अपना पहला मुकाबला

बेंगलुरू । जिस डिफेंस के कारण बेंगलुरू बुल्स को अपने पहले मैच में यू मुम्बा के खिलाफ हार का मुंह देखना पड़ा था, उसी ने शानदार वापसी करते हुए शेरेटन ग्रैंड में जारी प्रो कबड्डी लीग के आठवें सीजन के अपने दूसरे मैच में शुक्रवार को अपनी टीम को तमिल थलाइवाज के खिलाफ शानदार जीत दिलाई। बुल्स ने यह मैच 38-30 के अंतर से जीता। इस मैच में कुल 26 टैकल प्वाइंट बने। इसमें 14 बुल्स के नाम रहे जबकि थलाइवाज के डिफेंडरों के नाम 12 टैकल रहे। दोनों टीमों का यह दूसरा मैच था। थलाइवाज ने जहां तेलुगू टाइटंस के साथ टाई खेला था वहीं बुल्स को अपने पहले मैच में यू मुम्बा के हाथों हार मिली थी। बुल्स के कप्तान पवन सेहरावत इस मैच से नौ अंक बना सके जबकि चंद्रन रंजीत ने साच अंक बनाए। थलाइवाज की ओर से भवानी राजपूत 8 अंकों के साथ सबसे सफल रेडर रहे। इस मैच में दोनों टीमों के एक-एक डिफेंडर ने हाई-5 हासिल किया।

जूनियर राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप : फाइनल में यूपी और चंडीगढ़ के बीच होगी खिताबी जंग

तमिलनाडु।

हॉकी चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश हॉकी ने जूनियर राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप 2021 के फाइनल में पहुंचने के लिए जीत दर्ज की। अब दोनों टीमों के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। हॉकी चंडीगढ़ ने टाईब्रेक शूट-आउट में ओडिशा की हॉकी यूनिट को हराया, जबकि उत्तर प्रदेश हॉकी ने सेमीफाइनल में हरियाणा को 8-3 से करारी शिकस्त दी।हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा और हॉकी चंडीगढ़ के बीच पहले सेमीफाइनल में दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन मैच 60 मिनट के बाद 2-2 पर समाप्त हो गया। इसका नतीजा शूट-आउट से निकला, जिसमें हॉकी चंडीगढ़ ने 3-0 से जीत हासिल की। हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा की ओर से सुदीप चिरमाको (11) ने गोल दागकर बढ़त दिलाई, जबकि हॉकी चंडीगढ़ ने दूसरे क्वार्टर में कप्तान राहुल (17) और रमन (18) ने जल्द ही दो गोल कर दिए। 37वें मिनट में प्रशांत लाकड़ा ने हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा के लिए

गोल कर बराबरी की और फिर मैच में विजेता का फैसला शूट-आउट से निकाला गया।दूसरा सेमीफाइनल में उत्तर प्रदेश हॉकी ने हॉकी हरियाणा पर 8-3 से बड़ी जीत दर्ज की। जूनियर विश्व कप खिलाड़ी शारदा नंद तिवारी (13, 16, 28) गोल की हैट्रिक के साथ टूर्नामेंट के सबसे बड़े स्कोरर बन गए।उनके साथ अरुण साहनी (31, 35, 47) ने भी गोल की हैट्रिक लगाई और उत्तम सिंह (23, 60) ने भी दो गोल किए। वहीं, हॉकी हरियाणा की ओर से पंकज ने (38, 43, 60) गोल किए, लेकिन यह मैच उत्तर प्रदेश हॉकी ने आसानी से अपने नाम कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

कप्तान पैट कमिंस का खुलासा, ऑस्ट्रेलिया के दो और क्रिकेटर हो सकते थे संक्रमित

मेलबर्न। कप्तान पैट कमिंस ने खुलासा किया है कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के ऊपर कोविड संकट का खतरा मंडरा रहा है। यह सौभाग्य की बात है कि टीम के दो और क्रिकेटर एडिलेड टेस्ट के दौरान संक्रमित होने से बच गए थे। कमिंस एडिलेड टेस्ट के बाद एमसीजी टेस्ट के लिए वापसी कर रहे हैं, क्योंकि वह एक कोरोना संक्रमित के संपर्क में आ गए थे, जिसके बाद उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। हालांकि, तेज गेंदबाज ने शुक्रवार को खुलासा किया कि टीम के साथी मिचेश स्टार्क और नाथन लियोन ने भी उसी रेस्तरां में भोजन किया था। कमिंस ने टेस्ट से एक रात पहले एडिलेड के एक रेस्तरां में अपने दोस्तों के साथ भोजन किया था, जहां से वह पॉजिटिव हो गए थे। ऑस्ट्रेलिया की एक रिपोर्ट में कहा गया , वे (स्टार्क और लियोन) कमिंस के साथ मौजूद थे, लेकिन कमिंस पॉजिटिव पाए गए और वह दोनों बच गए थे। कमिंस ने यह भी खुलासा किया कि उन्हें यह जानकर बहुत गुस्सा आया था कि वह अपने एक करीबी के संपर्क में आकर पॉजिटिव हो गए थे, जिसके बाद वह एडिलेड टेस्ट में खेलने से चूक गए थे।

होल्डिंग ने नस्लवाद और भेदभाव के खिलाफ अभियान में शामिल होने कहा

लंदन । हाल के दिनों में जिस प्रकार इंग्लैंड के काउंटी क्रिकेट में नस्लवाद और भेदभाव के मामले सामने आये हैं। उसको लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए अब वेस्टइंडीज़ के पूर्व क्रिकेटर माइकल होल्डिंग ने कहा है कि इस मामले में अधिक से अधिक क्रिकेटरों को सामने आकर भेदभाव का विरोध करना चाहिये। होल्डिंग ने साथ ही कहा कि लोकप्रिय और सम्मानित हस्तियां को भी रंगभेद और नस्लवाद को हटाने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करना चाहिये।। होल्डिंग ने पूछा, अगर लोकप्रिय हस्तियों के पास एक मंच है और जो लोगों तक पहुंचने में सक्षम हैं, अगर वह कुछ नहीं करेंगे तो कौन करेगा? ऐसे खिलाड़ी हैं जो पूरी दुनिया में जाने-जाते हैं। अगर वे लोग इस प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने के लिए प्रयास करेंगे तो जरुरी सफलता मिलेगी क्योंकि उन्हें दुनिया भर के लोग सुनना चाहेंगे। इसी लिए एक मंच वाले लोग, एक नाम वाले लोग, दुनिया भर में पहचाने जाने वाले लोगों को उन चीजों के बारे में बात करने की ज़रूरत है जो उन्हें प्रभावित करती हैं और सही नहीं है। समाज में बदलाव लाने के लिए होल्डिंग लगातार नस्लवाद सहित हर प्रकार के भेदभाव के खिलापफ आवाज उठाते रहे हैं। होल्डिंग ने एक किताब भी प्रकाशित की है जिसमें खेल में नस्लवाद के बारे में बताया गया है और इसमें कई हाई प्रोफाइल ब्लैक एथलीटों का योगदान है। उन्होंने कहा कि एथलीटों को खेल के मामलों में अपनी राय सीमित नहीं रखनी चाहिए। उन्होंर कहा,जब वे मैदान या बास्केटबॉल कोर्ट छोड़ते हैं, तो उन्हें सामान्य जीवन जीने के लिए समाज में वापस जाना पड़ता है। यदि वे समाज से प्रभावित होते हैं, तो उन्हें बोलना पड़ता है और अपने मंच का उपयोग करना पड़ता है।

एंजियोप्लास्टी के बाद क्रिकेटर आबिद अली को आराम करने की दी गई सलाह

कराची।

पाकिस्तान के टेस्ट क्रिकेटर आबिद अली हाल ही में कायद-ए-आजम ट्रॉफी के दौरान सीने में दर्द की शिकायत के बाद एंजियोप्लास्टी प्रक्रिया से गुजरे हैं, जिसके बाद उनको आराम करने की सलाह दी गई है। मध्य पंजाब के लिए खेलने वाले आबिद को यहां यूबीएल क्रिकेट ग्राउंड में खैबर पख्तूनख्वा के खिलाफ 61 रनों पर बल्लेबाजी करते हुए दो बार सीने में दर्द हुआ, जिसके बाद क्रिकेटर को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने तब एक बयान जारी कर कहा था कि बल्लेबाज में एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम बीमारी का पता चला है।पीसीबी ने एक बयान में कहा, अपनी पुनर्वास प्रक्रिया के तहत, आबिद ने सुबह बिना किसी परेशानी के हल्की सैर की। वह अस्पताल में अपना पुनर्वसन जारी रखेंगे, जब तक कि उन्हें अगले सप्ताह की शुरुआत में छुट्टी नहीं मिल जाती। प्रक्रिया से गुजरने के बाद, आबिद ने एक वीडियो संदेश जारी किया था, जिसमें उन्होंने प्रशंसकों से उनके लिए प्रार्थना करने का अनुरोध किया था। आबिद ने कहा था, मैं भगवान का शुक्रगुजार हूं,

क्योंकि मैं अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं। मैं आप सभी से मेरे लिए प्रार्थना करने का अनुरोध करता हूं क्योंकि कल मेरी एक छोटी सी चिकित्सा प्रक्रिया है। इसलिए, मेरे परिवार के सदस्य, प्रशंसक और मेरे सभी शुभचिंतकों के लिए प्रार्थना करें।

इतने हजार डॉलर में बिका 2011 विश्वकप विजेता टीम के हस्ताक्षर वाला बल्ला

नई दिल्ली ।

भारत की 2011 की विश्व कप विजेता टीम के हस्ताक्षर वाला एक बल्ला दुबई में नीलामी में 25,000 डॉलर में बिका जबकि डेविड वार्नर की 2016 की आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) विजेता सनराइजर्स हैदराबाद की जर्सी के लिए 30,000 डॉलर की बोली लगाई गई।क्रिकफ्लिक्स द्वारा आयोजित इस नीलामी में जहां वार्नर की जर्सी के लिए सबसे बड़ी बोली लगाई गई तो महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली टीम के हस्ताक्षर वाले बल्ले के डिजीटल अधिकारों में भी लोगों ने दिलचस्पी दिखाई। धोनी ने अगुवाई में भारत ने 2011 में 28 वर्ष बाद वनडे विश्व कप जीता था। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के 200वें टेस्ट मैच के संग्रह का डिजीटल अधिकार मुंबई के रहने वाले अमल खान ने 40,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 30,01,410 रुपए) में हासिल किए। इस संग्रह में हस्ताक्षर वाली मैच जर्सी, विशेष स्मारक कवर और हस्ताक्षर वाला मैच टिकट आदि शामिल थे। भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के लिए लता मंगेशकर के संगीत कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग को 21,000 डॉलर (15,75,740 रुपये) में खरीदा गया, जबकि बालासाहेब ठाकरे के कार्टून और 1952 में भारत के पहले पाकिस्तान दौरे के ऑटोग्राफ को 15,000 डॉलर (11,25,528 रुपये) में नीलाम किया गया। भारत के पहले टेस्ट कप्तान सीके नायडू के संग्रह, जिनमें उनकी मूल बैंक पास बुक और पासपोर्ट के डिजीटल अधिकार क्रमशः 7500 डॉलर (5,62,725 रुपये) और 980 डॉलर (73,529 रुपये) में बेचे गए। भारतीय महिला तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी की विश्व कप 2017 के सेमीफाइनल में पहनी गई जर्सी की कीमत 10,000 डॉलर (7,50,300 रुपये) लगाई गई।

लक्ष्य सेन बोले-ऑलइंडिया इंग्लैंड खिताब जीतना अगला लक्ष्य

नई दिल्ली । वर्ल्ड चैंपियनशिप में 20 साल के लक्ष्य सेन ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। उनसे पहले उनके कोच प्रकाश पादुकोण और बी साई प्रणीत इस स्पर्धा का ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके हैं। लक्ष्य सेन ने कहा कि उनका लक्ष्य अपने कोच प्रकाश पादुकोण की तरह वर्ल्ड नंबर वन बनना और वर्ल्ड इंग्लैंड चैंपियनशिप में मेडल जीतना है। वह फुटबॉलर मेसी से भी बहुत ज्यादा प्रेरित हैं। लक्ष्य सेन ने कहा कि कोच प्रकाश पादुकोण सर ने कई टूर्नामेंट जीते हैं। वह अपने समय में वर्ल्ड नंबर वन भी रहे हैं और उन्होंने ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में भी जीती है। मेरा लक्ष्य उनकी तरह वर्ल्ड नंबर वन बनने के साथ ही ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप जीतना है। लक्ष्य सेन ने कहा कि बैडमिंटन के अलावा फुटबॉलर मेसी से मैं काफी ज्यादा प्रभावित हूं। लक्ष्य सेन ने कहा कि सेमीफाइनल में श्रीकांत से हार के बाद प्रकाश सर ने कहा कि चैंपियनशिप में मैंने अच्छा खेला। उन्होंने कहा कि आखिरी क्षणों में मैं डिफेंसिव हो गया था। मुझे अटैकिंग ही खेलना चाहिए था। वहीं मेरे पापा जो मेरे शुरुआती कोच भी हैं, वे चैंपियनशिप में पूरे मैच में मेरे साथ रहे। उन्होंने भी ये कहा कि मैने चैंपियनशिप में शानदार खेल दिखाया, परंतु सेमीफाइनल में दूसरे गेम में आखिरी क्षणों में डिफेंसिव हो गया।

एशेज : इंग्लैंड को बॉक्सिंग डे टेस्ट में जीतने की उम्मीद

मेलबर्न।

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट को उम्मीद है कि बॉक्सिंग डे टेस्ट में उनकी टीम फतह हासिल करेगी। इसलिए उन्होंने प्लेइंग इलेवन में चार बदलाव किए हैं, जो उनकी टीम की नैया पार लगाएंगे। इंग्लैंड को गाबा में शुरुआती टेस्ट में नौ विकेट और फिर एडिलेड ओवल में 275 रन से हार का सामना करना पड़ा था। 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में रूट की टीम को सीरीज गंवाने का डर भी होगा।रूट और तीसरे नंबर के बल्लेबाज डेविड मलान के प्रयासों के बावजूद इंग्लैंड ने स्कोर बोर्ड पर ज्यादा रन नहीं लगाए हैं, जिससे उनके गेंदबाजों को वापसी करने का मौका नहीं मिला। पैट कमिंस पिछले मैच में न खेलने के बाद, अब वह ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। इंग्लैंड एक बार फिर एक शक्तिशाली गेंदबाजी आक्रमण का सामना करेगा, जिसमें खुद कप्तान, मिशेल स्टार्क, टेस्ट डेब्यू करने वाले स्कॉट बोलैंड, कैमरन ग्रीन और स्पिनर नाथन लियोन होंगे। इंग्लैंड को 2017 के बॉक्सिंग डे टेस्ट की तरह अपने बल्लेबाजी फॉर्म को वापस पाने की उम्मीद होगी, यदि उन्हें मेजबान टीम को सीरीज जीतने से रोकना है तो हर हाल में एमसीजी में जीतना जरूरी होगा। इंग्लैंड के गेंदबाज अभी तक गेंदबाजी में अच्छे रहे हैं। हालांकि उन्होंने कई मौके गंवाने के साथ, उनकी रणनीति फेल रही है। लेकिन फिर भी स्टुअर्ट ब्रॉड, जेम्स एंडरसन और ओली रॉबिन्सन जैसे खिलाड़ियों ने अच्छी शुरुआत दी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम एमसीजी में जीतने और एशेज को अपने नाम करने के लिए बेताब होंगे। एडिलेड टेस्ट से बाहर होने के बाद, कमिंस कप्तान के रूप में वापसी करेंगे। वहीं, स्मिथ एक बार फिर से उपकप्तान की भूमिका में नजर आएंगे। कप्तानी के बोझ के बावजूद स्मिथ ने एडिलेड में पहली पारी में 93 रन बनाकर अच्छा प्रदर्शन किया था, जबकि सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर (95) और मार्नस लाबुस्चागने (103) ने शानदार पारी खेली थी। इस प्रदर्शन के बाद लाबुस्चागने आईसीसी बल्लेबाजी टेस्ट रैंकिंग में नंबर 1 बल्लेबाज हो गए थे।ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड पर एडिलेड टेस्ट में 275 रनों एक बड़ी जीत दर्ज की थी।लाबुस्चागने 2 हजार टेस्ट रन बनाने वाले पांचवें सबसे तेज खिलाड़ी हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज नंबर 3 कंगारूओं को मजबूती प्रदान करते हैं, क्योंकि नई गेंद पर खतरे को टालते हुए चारों ओर शॉट्स के माध्यम रन बनाते हैं। इंग्लैंड के पास इस 27 वर्षीय खिलाड़ी को आउट करने के लिए कोई प्रभावी योजना नहीं है। एमसीजी पिच से बल्लेबाजों को मदद मिलने की संभावना है।

मंकीगेट विवाद पर बोले हरभजन सिंह- मेरे साथ जो हुआ वह किसी के साथ ना हो

स्पोर्ट्स डेस्क :

हरभजन सिंह ने क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। संन्यास के बाद हरभजन सिंह ने अपने करियर के उन मुद्दों पर बात रखी जो उन्होंने अभी तक किसी को को बताई नहीं थी। मंकीगेट प्रकरण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जाहिर है यह कुछ ऐसा था जिसकी आवश्यकता नहीं थी। उस दिन सिडनी में जो कुछ भी हुआ वह नहीं होना चाहिए था। लेकिन यह भूल जाना चाहिए कि किसने क्या कहा। आप और मैं दोनों जानते हैं कि सत्य के दो पहलू होते हैं। इस पूरे प्रकरण में किसी ने भी सच्चाई के मेरे पक्ष की परवाह नहीं की। उन्होंने कहा कि उन कुछ हफ्तों में मेरी मानसिक स्थिति क्या थी, इसकी किसी ने परवाह नहीं की। मैंने कभी भी इस घटना कहानी के बारे में अपने पक्ष को विस्तार से नहीं बताया लेकिन लोगों को इसके बारे में मेरी आने वाली आत्मकथा में पता चलेगा। मैं जिस दौर से गुजरा था, वो किसी के साथ नहीं होना चाहिए था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1998 से 2016 तक 18 वर्षों में 711 विकेट लेने वाले इस खिलाड़ी ने कहा कि उनका करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा लेकिन इस खेल के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों के साथ खेलने के अनुभव को वह कभी नहीं भूलेंगे। हरभजन ने कहा कि शानदार कि यह उतार-चढाव से भरी यात्रा रही है। लेकिन जीवन में ही ऐसा ही होता है। समुद्र की लहरों में भी शिखर और गर्त होते हैं न? इतने लंबे समय तक भारत के लिए खेलने के लिए बहुत धन्य हूं। अगर आपने भारत के लिए 377 मैच खेले हैं तो यह खराब संख्या नहीं है। मैं आज जो भी हूं वह क्रिकेट की वजह से ही हूं। जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं तो यह पता चलता है कि मैं किस तरह के महान खिलाड़ियों के साथ खेला हूं। इसमें सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण, वीरेंद्र सहवाग, एमएस धोनी, जहीर खान और अनिल कुंबले जैसे कुछ खिलाड़ी शामिल है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहाड़ों की रानी है 'मसूरी'

पर्यटन स्थल मसूरी अन्य हिल स्टेशनों से भिन्न है क्योंकि यहां एक ओर बर्फ की सफेद चादर ओढ़े भव्य हिमालय प्रहरी की तरह खड़ा है तो दूसरी ओर मैदानों में शीतलता का संचार करती हुई गंगा मंथर गति से बह रही है। मसूरी समुद्र तल से लगभग 6,500 फुट ऊंचाई पर स्थित है। पहाड़ों की रानी मसूरी के नजारों में जरूर कुछ बात है तभी तो यहां हर साल लाखों की संख्या में पर्यटक आते हैं खासकर हनीमून मनाने जाने वाले लोगों के लिए तो यह पसंदीदा जगह है। गनहिल मसूरी की दूसरे नंबर की सर्वाधिक ऊंची चोटी है। पुराने दिनों में समय का पता लगाने के लिए दोपहर को ठीक बारह बजे इस पहाड़ी पर रखी तोप दागी जाती थी। कुछ समय के बाद तोप हटा ली गई, तब से इसका नाम गनहिल पड़ गया। रोपवे से गनहिल पहुंचने का मजा सचमुच रोमांचक है। गनहिल में जहां एक ओर विशाल हिमालय की दूरलृदूर तक फैली सफेद झिलमिलाती चोटियां दिखाई पड़ती हैं वहीं दूसरी ओर दून घाटी की बिखरी पड़ी अद्भुत सुंदरता का नजारा देखने को मिलता है। कैमल्स बैक रोड़ भी देखने योग्य जगह है। यह सड़क घुड़सवारी व सैर करने के लिए बहुत अच्छी है। कैमल्स बैक का यह रास्ता कुलरी स्थित रिंक हाल से शुरू होकर लाइब्रेरी बाजार प र खत्म होता है। इस रास्ते पर पहाड़ी का आकार कुछलृकुछ ऊंट की पीठ की भांति दिखाई देता है। इसलिए इस सड़क का नाम कैमल्स रोड़ पड़ गया। यहां की खास बात यह है कि पूरे रास्ते में जगहलृजगह पर थकान मिटाने तथा प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेने के लिए हवा घर बने हुए हैं। लंढोर बाजार मसूरी के सर्वप्रथम निर्मित 'मुलिंगार भवन' से शुरू होकर लंढोर के घंटाघर पर खत्म होता है। एक मील लंबा यह बाजार पुराने समय की शान लिए हुए है। इस बाजार में कहीं तो आयातित सामान की दुकानें दिखाई देती हैं तो कहीं विशुद्ध भारतीय सभ्यता की गाथा कहती साधारण दुकानें हैं।

आप लाल टिब्बा भी देखने जा सकते हैं। यह मसूरी की सर्वाधिक ऊंची चोटी है। आप यहां से दूरबीन की मदद से गंगोत्तरी, बदरीनाथ, केदारनाथ, नंदा देवी और श्रीकांता की चोटियों का विहंगम दृश्य देख सकते हैं। मसूरी से लगभग पंद्रह किलोमीटर दूर चकराता रोड़ पर स्थित कैंपटी फाल मसूरी का एक और सुंदर स्थल है। पर्वतों में से फूट कर निकलता हुआ यह झरना पांच अलगलृअलग धाराओं में चालीस फुट ऊंचाई से गिरता हुआ दिखाई पड़ता है। आप नौकायान करना चाहें तो लेकमिस्ट देखने जा सकते हैं। इस स्थान को आधुनिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया गया है। मसूरी का म्यूनिसिपल गार्डन भी देखने योग्य है। यह गार्डन आजादी से पहले बोटोनिकल गार्डन कहलाता था। आजकल इसे कंपनी गार्डन भी कहा जाता है। कंपनी गार्डन में मुस्कुराते फूलों के अलावा एक छोटी सी कृत्रिम झील भी बनाई गई है। यहां पर निकट में ही एक छोटा सा तिब्बती बाजार भी है। इन सब स्थानों के अलावा आप मसूरी झील और भट्टा फाल तथा क्लाउड ऐंड भी देख सकते हैं। मसूरी के निकटवर्ती स्थलों की बात की जाए तो यमुना ब्रिज और नाग टिब्बा सहित धनोल्टी का नाम लिया जा सकता है। मसूरी तक जाने के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन देहरादून है। देहरादून दिल्ली, हावड़ा, लखनऊ, वाराणसी, मुंबई, अमृतसर और इलाहाबाद आदि से रेल मार्ग से जुड़ा हुआ है। देहरादून से मसूरी तक जाने के लिए टैक्सियां भी आसानी से मिल जाती हैं। यदि आप गर्मी से राहत पाने के लिए मसूरी जाना चाहते हैं तो अप्रैल से जून के बीच मसूरी जाएं। जुलाई से सितंबर तक यहां बरसात का आनंद लिया जा सकता है। यदि वहां घूमनेलृफिरने जाना चाहते हैं तो इसके लिए उत्तम समय अक्टूबर से दिसम्बर के बीच का है। यहां जनवरी से फरवरी के बीच में हिमपात होता है।

समंदर से घिरा, हरा भरा, खूबसूरत देश मॉरीशस

मोती के समान सुंदर तथा सफेद मारीशस के चारों तरफ 100 मील का समुद्री तट और मीलों तक फैली रूपहली रेत ही इसका मुख्य आकर्षण हैं। दक्षिणी अफ्रीका के पास स्थित मारीशस द्वीप पर पहले ज्वालामुखी पर्वत थे जिनसे लावा बहता रहता था या बंजर और पथरीली भूमि थी। 1598 में डचों ने मारीशस पर सबसे पहले कब्जा किया और वे तकरीबन 120 वर्षों तक यहां रहे जिसके प्रमाण आज भी यहां मिलते हैं। 1710 में डच मारीशस छोड़ कर चले गए। इसके पांच वर्ष बाद यहां फ्रेंच आए और वह 95 वर्षों तक यहां रहे। इसके बाद फ्रांसीसियों ने इस द्वीप को अंग्रेजों के हाथों बेच दिया। अंग्रेजों ने इस द्वीप को उपजाऊ और हराभरा बनाने के लिए बहुत मेहनत की। उन्होंने भारत से बिहारी मजदूरों को परिवार सहित यहां लाकर खेती के काम में लगाया। मारीशस में गन्ने की लहलहाती खेती बिहारी मजदूरों की मेहनत का ही परिणाम है। 17वीं और 18वीं सदी में आए मजदूरों की पीढ़ियों ने हिंदू धर्म, भाषा, पहनावा तथा रहनलृसहन भारतीय परंपरा के अनुसार ही रखा। मारीशस में वैसे अब नई पीढ़ी आधुनिक पोशाक जींस वगैरह पहनने लगी है लेकिन गांवों में आज भी बड़ेलृबूढ़े साड़ी और कुर्तालृधोती को ही महत्व देते हैं। स्कूलों में भोजपुरी वर्नाकुलर के रूप में अनिवार्य है। यहां की बोलचाल की भाषा क्रेओल है जो फ्रेंच, अंग्रेजी और भोजपुरी भाषा के मिश्रण से बनी है। मारीशस को 1968 में अंग्रेजी शासन से पूर्ण आजादी मिली। मारीशस की जलवायु समशीतोष्ण है। यहां मई से अक्टूबर तक सर्दियों का मौसम रहता है लेकिन तापमान 12 डिग्री सेल्सियस से कम नहीं जाता है। नवंबर से अप्रैल तक गर्मी के मौसम में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं होता है। चूंकि मारीशस चारों ओर समुद्र से घिरा है इसलिए यहां का मौसम वर्ष भर सुहावना बना रहता है। यहां गर्मी में 14 घंटे का और सर्दी में 12 घंटे का दिन होता है। यहां बरसात वर्ष भर होती रहती है। मारीशस में लिली और ताड़ के वृक्षों की शोभा देखते ही बनती है। पांपलेमस में रायल बोटेनिकल गार्डन यहां का सबसे सुंदर गार्डन है। मारीशस की राजधानी पोर्टलुई यहां का सबसे बड़ा शहर एवं बंदरगाह है। यहां की चौड़ी, साफलृसुथरी सड़कें तथा यातायात व्यवस्था सैलानियों का मन मोह लेती हैं। पोर्टलुई में बड़ेलृबड़े अतिआधुनिक होटल एवं रेस्तरां हैं, जहां अंग्रेजी, चीनी व भारतीय भोजन आसानी से सुलभ है। मारीशस में खानेलृपीने की हर चीज बहुत महंगी हैं क्योंकि यहां घी, दूध, मक्खन, सब्जियां, अनाज, कपड़े आदि सब कुछ विदेशों से आयात किया जाता है। यहां ज्यादातर खाने की वस्तुएं दक्षिण अफ्रीका से तथा कपड़े व गहने भारत, जापान और कोरिया से आयात किए जाते हैं। समुद्री खेलों के शौकीन खिलाड़ियों के लिए मारीशस सबसे उपयुक्त जगह है क्योंकि वर्ष भर यहां का मौसम खेलों के लिए बेहतर बना रहता है। आजकल समुद्री खेलों को और अधिक लोकप्रिय व सुविधाजनक बनाने के लिए मारीशस सरकार इस ओर विशेष ध्यान भी दे रही है। मारीशस जाने वाले सैलानी यहां की महिलाओं के हाथ के बने शंख, समुद्री सीप और मोती की मालाएं और हस्तकला की अनेक वस्तुओं को बड़े चाव से खरीदते हैं। तो आप भी जब यहां जाएं तो इन्हें खरीदना नहीं भूलें।

पहाड़ी मदिकेरी में बनाइए अपनी को यादगार

मदिकेरी की खूबसूरती में एक सदगी हैं। इसे भगवान का आशीर्वाद हासिल है। प्रदूषण से मुक्त यहां का शांत माहौल सभी को अच्छा लगता है। अपनी छुट्टियों को यादगार बनाना चाहते हैं, तो मदिकेरी से बेहतर कुछ नहीं। लकड़ियों के ढलान, गांव, रंग-बिरंगे दृश्य और प्राकृतिक छटा पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। मदिकेरी को कुर्ग का जिला मुख्यालय कहा जाता है जो 1525 मीटर की ऊंचाई पर है। इस शहर में ज्यादातर बंगले लाल रंग के पत्थर के हैं। यही इस शहर की खासियत है। मदिकेरी को भारत का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है जिसकी मृदु राजा ने 1681 में तलाश की थी। मृदुराजाकेरी के नाम पर ही इस शहर का नाम मदिकेरी रखा गया। कावेरी नदी शहर से 44 किलोमीटर की दूरी पर बहती हैं। कर्नाटक में मदिकेरी से आठ किलोमीटर दूर है- ऐबे फॉल व अब्बी फॉल। यह वाटरफॉल कॉफी के बागान, मसालों के बागान और हरे पेड़-पौधे के बीच है जहां से कई धाराएं पहाड़ों से गिरती हुई कावेरी नदी मे जाकर मिलती हैं। यह वाटर फॉल अचानक ही बनता हैं। चट्टानों से यह वाटरफॉल तेजी से गिरता हुआ शांत पूल में मिलता है। इस के गिरने की गर्जन सड़क से ही सुनी जा सकती है। मानसून के दौरान इस वाटरफॉल की धारा बहुत ऊंची हो जाती हैं मगर गर्मी के दिनों में यह कम हो जाती हैं। इस वाटरफॉल की सुंदरता देखने के लिए सर्दियों की शुरूआत होते ही आपको जाना होगा ताकि मानसून के पानी से बने इस वाटरफॉल की सुदंरता को आप खो न दें। राजा सीट एक छोटा सा मंडप है जिसके चारों तरफ बगीचा है। यहां से नीचे घाटी की हरियाली देखते बनती है। अद्भुत सूर्यास्त और नीले पहाड़ का खूबसूरत दृश्य देखकर एक पल के लिए तो सांसें रूक जाती हैं। मदिकेरी किले का निर्माण राजा मृदुराजा ने 17वीं शताब्दी में करवाया था। इस किले के अंदर एक पैलेस भी बनवाया था। टीपू सुल्तान ने इस महल को दोबारा ग्रेनाइट से बनवाया। इसे

जाफराबाद नाम दिया गया। 1790 में यह किला डोडावीरा राजेन्द्र के कब्जे में चली गई। मदिकेरी को ओककारेश्वर मंदिर का निर्माण 1820 में लिंग राजेन्द्र ने करवाया था। यह मदिकेरी शहर के दिल से सिर्फ एक किलोमीटर दूर है। वास्तुकला की बात करें, तो यहां दो तरह की वास्तुकला देखने को मिलती हैं पहली इस्लामिक और दूसरी गोथिक। इस मंदिर के मुख्या देवता शिवलिंग के रूप में विराजमान हैं। कहते हैं कि लिंगराजेन्द्र ने ब्रह्महत्या से मुक्ति पाने के लिए इस मंदिर का निर्माण कराया और शिवलिंग की स्थापना की। मदिकेरी में कई ऐसे ट्रैकिंग स्थल हैं जहां आप ट्रैकिंग का मजा ले सकते हैं। ट्रैकर्स के लिए मदिकेरी स्वर्ग हैं। मदिकेरी जाने का बेहतरीन समय है सितम्बर से मार्च। नजदीकी हवाई अड्डा मंगलौर 136 किलोमीटर दूर है। नजदीकी रेलवे स्टेशन कसरगॉड 106 किलोमीटर दूर है। मदिकेरी दूसरे कई मुख्य शहरों से सड़क यातायात से जुड़ा है।

दिल्ली की खुफिया रास्तों की दास्तां

बादशाहों की पसंद दिल्ली की जमीं, कई लड़ाइयों की गवाह बनी। सियासत की इस बिसात पर वे खुद नहीं समझ पाते थे कि कब वे मात खा जाएं। बादशाहों ने अपने बचाव के लिए एक अदद ऐसे रास्ते जरूर तैयार किए, जिससे वे दुश्मनों से बचकर निकल सकें। राजाओं ने अपने शासन में शानदार किले तो बनवाये ही उनमें खुफिया रास्ते भी बनाए। प्रस्तुत है इन्हीं सुरंग नुमा खुफिया रास्तों की सैर = उन खुफिया रास्तों का जिक्र छिड़ा है जिससे होते हुए कभी बादशाहों ने अपनी जान बचाई होगी या फिर चुपचाप शिकार पर जाने के लिए इन रास्तों का इस्तेमाल किया होगा। सियासत की समझ रखने वाले बादशाहों ने सुरगें भी बनाई, जिसका जिक्र किताबों में है। हाल ही में दिल्ली विधानसभा में भी सुरंग निकलने का दावा किया गया है। इस बारे में अब शोध हो रहा है लेकिन यह पहला मौका नहीं है जब दिल्ली में सुरंग का जिक्र छिड़ा हो। इससे पहले भी कश्मीरी गेट के पास ऑक्टर्स लोनी के घर में सुरंग मिली थी जिसे बंद कर दिया गया, मौजूदा समय में यहां उत्तरी रेलवे का दफ्तर है। माना जाता है कि यह सुरंग कश्मीरी गेट तक निकलती है। इसके साथ निजामुद्दीन औलिया की दरगाह की बावली में भी एक खुफिया रास्ता होने की बात कही गई है। इसी रास्ते से निजामुद्दीन औलिया बावली में आया करते थे। इस पर काम भी हुआ लेकिन प्रशासनिक तौर पर इसके दस्तावेज नहीं प्राप्त हुए। यही नहीं दिल्ली में सात किलोमीटर लंबी सुरंग होनी की भी बात कही जाती है। यह सुरंग इतनी लंबी और बड़ी बताई जाती है कि इससे बादशाह की फौज घोड़े पर बैठकर भी आराम से निकल सकती थी। बाड़ा हदूिराव के पास पीर गायब ऐतिहासिक स्मारक के पास इसके खंडहर से जाकर सुरंग होने की बात किताबों में दर्ज है। यह सुरंग पीर गायब से फिरोज शाह कोटला तक जाती थी। अब इतनी

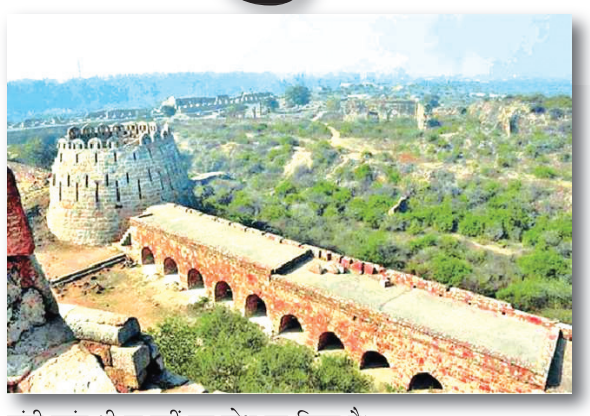

लंबी सुरंग थी या नहीं यह शोध का विषय है।

जानकारों के मुताबिक शहांजहांनाबाद में कई सुरंग थीं, जिसकी जानकारी सिर्फ राजा के चुनिंदा वफादारों तक ही होती थी। सुरंग के कुछ प्रमाण तुगलकाबाद के किले में भी देखे जा सकते हैं। यहां जमीन के अंदर की ओर बने हुए कई रास्ते नजर आते हैं। उस क्षेत्र के लोगों का कहना है कि इस किले और सड़क के पार गयासुद्दीन तुगलक के मकबरे के बीच एक सुरंग है। उसकी कब्र के पास कुछ लोहे के ग्रिल लगी हुई हैं। सुरंग का यह रास्ता कब्र की तरफ जाता है। इसी तरह लालकिले को लेकर कई सुरंगों की कहानी है। जाहिर है यह सत्ता का केन्द्र भी रहा। कहा जाता है कि लालकिले के अंदर एक ऐसी सुरंग हुआ करती थी जो चांदनी चौक को यमुना नदी से जोड़ा करती थी। हालांकि इस बारे में यहां के अधिकारी कुछ भी कहने से कतराते हैं। अलबत्ता रंगमहल के पास पीछे एक गेट जरूर है जिससे शाहजहां यमुना नदी में जाया करते थे।

विजयालक्ष्मी सिर्फ कहानियां ही नहीं हकीकत भी है

शाहजहांनाबाद में सुरंग और खुफिया रास्तों की कहानियां सिर्फ कहानियां नहीं हकीकत भी हैं। दिल्ली में 15 शासकों ने राज किया और हर बादशाह ने अपने बचाव के लिए खुफिया रास्ता बनाया। इसके बारे में इतिहास में इसलिए भी ज्यादा तथ्य नहीं क्योंकि अंग्रेजों को इन रास्तों से ही खतरा था इसलिए सबसे पहले उन्होंने सुरंगों और खुफिया रास्तों को नेस्तोनाबूद किया। आज भी अगर इस संबंध में सर्वे किया जाए तो सुरंगों के बारे में ढेर सारी जानकारियां मिल सकती हैं। 1880 के पहले के इतिहासकारों ने अपनी किताबों में भी इसका जिक्र किया है। विलियम डेलरिंपल की किताब 'सिटी ऑफ जिंस' में उन्होंने लालकिले में सुरंग होने की बात लिखी है, क्योंकि ऐसा कहा जाता है कि शहांजहांनाबाद बसाते समय बादशाह ने अपनी सुरक्षा के लिए अपने किले से शहर के बाहर तक सुरंग बनाई थी। लेकिन इस तथ्य के भी सुबूत नहीं मिलते। वजह, कभी किसी ने इस संबंध में शोध करने की कोशिश ही नहीं की। दंत कथाएं जरूरत हैं लेकिन उन कथाओं का आधार भी हो सकता है इस बारे में किसी एजेंसी को खोजने की लालसा नहीं है। लालकिले में भी सुरंगों के बारे में कई कहानियां है। कहा जाता है जब नादिर शाह ने मुगलों पर हमला किया तब उसने पूरी दिल्ली में कत्लेआम मचा रखा था और सिर्फ तीन घंटे में ही मुगलों की फौज को हरा दिया था। तब बादशाह मोहम्मद शाह ने नादिर से मुलाकात करने के लिए खुफिया रास्ते का इस्तेमाल किया था। लालकिले में जिस तरह मेहताब बाग की खोज की जा रही है उसी तरह उन खुफिया रास्तों की भी तह तक जाने की जरूरत है।

मिटा दिया था नामों-निशान

दिल्ली में तुगलकाबाद के किले के अंदर कुछ एक ऐसे तथ्य मिलते हैं जिससे लगता है कि यहां खुफिया रास्ते रहे होंगे। किले के अंदर भूमिगत बाजार होने के सुबूत मिले हैं, क्योंकि उस रास्ते के दोनों तरफ आर्क मिले हैं। ऐसा लगता है कि इस रास्ते में बाजार लगता होगा। इसी तरह कुछ और रास्ते हो सकते हैं जो जमीन के अंदर होते हों। चूंकि जब अंग्रेज दिल्ली आए उन्होंने सभी ऐसे रास्ते खत्म कर दिए जिससे उनके राज को खतरा था। बेशक उन्होंने बाद में कुछ बनाया होगा जिससे अभी तक एएसआइ अनभिज्ञ हो। चूंकि सुरंगों के नाम पर लोगों की जिज्ञासा जाग जाती है, इसलिए भी कई कहानियां बनाई गई हैं। जैसे कहा जाता है कि दिल्ली से आगरा तक एक सुरंग होती थी, जो कि संभव नहीं है। अगर ऐसा होता तो कुछ शाफ्ट तो मिलते। हो सकता है कि लालकिले के पीछे यमुना नदी से होते हुए आगरा जाने की कहानी को लोगों ने सुरंगी रास्ता बना दिया हो। तुगलकाबाद के किले में कुछ साक्ष्य जरूरत मिले हैं, लेकिन पीर गायब और फिरोजशाह कोटला में सुरंग के बारे में ऐसी कोई जानकारी नहीं है।

दबी हैं कई रोचक कहानियां

सुरंगों के बारे में ज्यादा सुबूत इसलिए भी नहीं हैं क्योंकि ये गुप्त रखे जाते थे। ये वो रास्ते होते थे जहां से राजा और रानी युद्ध के दौरान भाग सकें या फिर वो रास्ते जहां से उनके मुखबिर, भरोसेमंद लोग उनके लिए मुखबिरी करते होंगे। इसलिए इन रास्तों को राज रखा जाता था। उस समय के भी राजाओं के सिवाय कुछ खास लोगों को ही इसके बारे में जानकारी होती थी। दिल्ली में कई राजाओं ने खुद अंग्रेजों ने भी सुरंग बनाई होगी।